



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-18062020-220001
CG-DL-E-18062020-220001

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 151]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 18, 2020/ज्येष्ठ 28, 1942

No. 151]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 18, 2020/JYAISHTHA 28, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जून, 2020

अंतिम जांच परिणाम

मामला सं. एडीडी-एसएसआर 12/2019

विषय : चीन जनगण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “मेजरिंग टेप्स” के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा।

फा. सं. 7/24/2019-डीजीटीआर.—क. मामले की पृष्ठभूमि

1. समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 (इसके पश्चात “अधिनियम” के रूप में भी संदर्भित) तथा समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आंकलन और संकलन तथा क्षति निर्धारण के लिए) नियमावली 1995 (इसके पश्चात “नियमावली” के रूप में भी संदर्भित), निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके पश्चात “प्राधिकारी” के रूप में भी संदर्भित) में चीन जन.गण (इसके पश्चात “संबद्ध देश” के रूप में भी संदर्भित) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “मेजरिंग टेप्स” (इसके पश्चात “संबद्ध वस्तु” अथवा “विचाराधीन उत्पाद” अथवा “पीयूसी” के रूप में भी संदर्भित) के आयातों पर दिनांक 23 अक्तूबर, 2002 की अधिसूचना सं. 14/31/2002-डीजीएडी के माध्यम से पाटनरोधी जांच की शुरुआत की। उसके पश्चात प्राधिकारी ने चीन जन.गण से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हुए दिनांक 1 सितंबर, 2003 की अंतिम जांच परिणाम सं. 14/31/2002-डीजीएडी को अधिसूचित किया। निश्चयतात्मक पाटनरोधी शुल्क वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 7 अक्तूबर, 2003 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं.

147/2003-सीमा शुल्क (एडीडी) के द्वारा 5 वर्षों के लिए लगाया गया था। इसके पश्चात पहली निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) की जांच की गई थी और अंतिम जांच-परिणाम संबंधी अधिसूचना दिनांक 27 मार्च, 2009 की अधिसूचना सं. 15/2/2008-डीजीएडी के माध्यम से प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया था और दिनांक 15-5-2009 की अधिसूचना सं. 49/2009-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से शुल्क लगाया गया था। दूसरी निर्णायक समीक्षा जांच भी की गई थी और शुल्कों को जारी रखने की सिफारिश प्राधिकारी द्वारा दिनांक 5 मई, 2015 की अधिसूचना सं. 15/9/2014-डीजीएडी के माध्यम से की गई थी और पाटनरोधी शुल्क दिनांक 9 जुलाई, 2015 की अधिसूचना सं. 31/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से लगाया गया था। दूसरी निर्णायक समीक्षा में अंतिम जांच परिणाम के अनुसरण में लगाया गया पाटनरोधी शुल्क अब भी दिनांक 8 जुलाई, 2020 तक लागू है।

2. नियमावली के नियम 23(1ख) में निम्नलिखित प्रावधान है:

".....किसी बात के होते हुए भी अधिनियम के अंतर्गत लगाया गया कोई निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क उसके लगाए जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा बशर्ते निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त अवधि से पूर्व अपनी खुद की पहल पर या घरेलू उद्योग की ओर से किए गए विधिवत पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर उक्त अवधि समाप्त होने से पूर्व उचित अवधि के भीतर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उक्त शुल्क की समामि से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।"

3. मै. एफएमआई लिमिटेड (जिसके पश्चात "आवेदक" अथवा "घरेलू उद्योग" अथवा "डीआई" के रूप में संदर्भित) ने चीन जन.गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति का दावा करते हुए इस अधिनियम और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष घरेलू उद्योग की ओर से विधिवत् प्रमाणित आवेदन दायर किया और संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लागू वर्तमान पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने तथा अन्य 5 वर्षों के लिए उसे जारी रखने का अनुरोध किया है।

4. आवेदक द्वारा दायर किए गए आवेदन के आधार पर, प्राधिकारी ने इस तथ्य की जांच करने के लिए कि वर्तमान शुल्क के समाप्त होने पर संभवतः पाटन और क्षति जारी रहेगी अथवा फिर से होगी, भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 18 दिसंबर, 2019 की अधिसूचना सं. 7/24/2019-डीजीटीआर के माध्यम से अधिसूचित आम नोटिस के माध्यम से निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत की।

ख. प्रक्रिया

5. वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र में दिनांक 5 मई, 2015 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 15/9/2014-डीजीएडी के सभी पहलू शामिल हैं जिनकी सिफारिश संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए की गई थी।

6. नीचे उल्लेख किए गए अनुसार इस प्रक्रिया का पालन किया गया है:

क. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण में आम नोटिस दिनांक 18 दिसंबर, 2019 की अधिसूचना सं. 7/24/2019-डीजीटीआर के माध्यम से प्रकाशित की।

ख. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ता संघ को आम नोटिस की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें सलाह दी कि वे इस पत्र के जारी किए जाने की तिथि से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराएं।

ग. प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास और ज्ञात निर्यातकों को आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन का अगोपनीय पाठ की प्रति उपलब्ध कराई।

घ. प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के उद्देश्य से इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी:

- i. निंगबो लैंड टूल्स एंड मेजरिंग टूल्स कं. लि., 68 चेंगजियाओ रोड, युयाओ सिटी, झेजियांग, चीन।

- ii. निंगबो होंगडी मेजरिंग टेप इंडस्ट्री कंपनी, सीडब्ल्यू-4 फेयरिस्ट इंडस्ट्रियल सिटी, युआओ सिटी, झेजियांग चीन।
 - iii. निंगबो लैंड टूल्स एंड मेजरिंग टूल्स कं. लि., सं. 68 चेंगजियाओ रोड, युआओ सिटी, युआओ-315400, झेजियांग चीन।
 - iv. शान्सी युआन हांग मशीनरी इक्विपमेंट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो. लि., 334#, यू यी ईस्ट रोड-710054, शांक्सी, जियान, चीन।
 - v. सिक्सीजुंबाओ स्टील टेप कंपनी लि., वांगडी रोड, सिक्सी सिटी, निंगबो, चीन।
 - vi. यीवु वुडियन ग्रेट वाल हार्डवेयर फैक्ट्री कं. लि., वुडियनटवोन, यीवन, जिनहुआ, झेजियांग, चीन।
 - vii. बाओफेंग टूल्स एंड मेजरिंग टूल्स कं. लि., सं. 458, यांगमिंग रोड, ई युआओ सिटी, झेजियांग प्रोविंस शांगक्यू सिटी, चीन।
 - viii. हेनन बोथे मेजरिंग टूल्स कं., लि., सं. 1 साऊथ रोड, झिसिन इंडस्ट्रियल गैदरिंग जोन, युचेंग काउंटी, हेनन प्रोविंस शांगक्यू सिटी, चीन।
 - ix. युचेंगजिघोंग मेजरिंग टूल्स कं. लि., चुचेंग रोड साऊथ, युचेंग हेनन, शांगक्यू, चीन।
 - x. फोशन जोंगटियान मेजरिंग टूल्स कं. लि., डाली टाउन, ननहेई डिस्ट्रिक्ट-528000, गुआंगडोंग चीन।
- ड. किसी भी निर्यातक ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है और प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- च. इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी:
- i. मै. लोहिया ट्रेड कन्सर्न, 2880, गलीजजमापुरा, हौजकाजी, दिल्ली-110006.
 - ii. मै. विनय ब्रदर्स, गली सं. 3, एस अलफा विलेज, साईएस्टेट, जेएमटी रोड, घाटकोपर वेस्ट, मुंबई-400086.
 - iii. मै. वीके इंटरनेशनल, 8/16 बंदा हाउस, शॉप नं.4, नारायणाधुर एक्स लेन, मुंबई-400003.
 - iv. मै. फहाद इंटरप्राइजेज, देवीदास मैन्शन, दूसरी मंजिल, मियर वैदर रोड, कोलाबा, मुंबई-400039.
 - v. मै. घनश्याम दास एंड संस (वीके इंडस्ट्रीज), गाला नं. 4, मुनानी ट्रेड सेंटर, नियर-रीयल एस्टेट, सतिवली रोड, वसई ईस्ट, मुंबई-401208.
 - vi. मै. न्यू वेव इंडस्ट्रीज, बी IX/643, होशियारपुर रोड, जालंधर-144004 पंजाब.
 - vii. मै. आशियाना एक्सपोर्ट्स इंक, जी-2 चावला हाउस बुडहाउस रोड, कोलाबा मुंबई, महाराष्ट्र।
 - viii. मै. एसके इंटरप्राइजेज, प्रथम तल, कमरा सं. 26, बिल्डिंग सं. 88, बीचकोरभाई हाउस, 4थी कुंबरवाडे, मुंबई-400004.
 - ix. मै. स्टरलिंग इंटरप्राइजेज, 130/ए-1, शाह एंड नाहर इंडस्ट्रियल एस्टेट, एस.जे.रोअर, लोअर परेल, मुंबई-400013.
- छ. किसी भी आयात/प्रयोक्ता ने वर्तमान जांच में प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- ज. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया। किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने यद्यपि इस जांच में भाग नहीं लिया है।
- झ. प्राधिकारी ने उचित जांच के बाद जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट ना की गई सूचना के रूप में मांगा गया है।

- ट. आगे सूचना आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से उस सीमा तक मांगी गई थी जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया था। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का सत्यापन उस सीमा तक किया गया था जिस सीमा तक उसे वर्तमान जांच के उद्देश्य आवश्यक माना गया था।
- ठ. यह जांच अप्रैल 2015-मार्च 2016, अप्रैल 2016- मार्च, 2017, अप्रैल 2017-मार्च 2018 तक की अवधि और जांच की अवधि को शामिल करते हुए क्षति के विश्लेषण के साथ अप्रैल 2018-जून, 2019 की अवधि (15 महीने) (इसके पश्चात “जांच की अवधि” अथवा “पीओआई” के रूप में संदर्भित) के लिए की गई थी।
- ड. वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वे पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों का ब्यौरा उपलब्ध कराएं और उक्त सूचना डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त हो गई है और उसे वर्तमान जांच के उद्देश्य से लिया गया है।
- ढ. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए इस नियमावली के अनुबंध-III में दिए गए दिशा-निर्देशों के आधार पर इस तथ्य का पता लगाने के लिए उस सीमा तक जांच की है जिस सीमा तक उसे संभव पाया गया कि क्या पाटन मार्जिन से कम पर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति को समाप्त कर पाएगा।
- ण. इस नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी उपलब्ध पक्षकारों को दिनांक 26 मई, 2020 को आयोजित मौखिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर दिए जिसमें घरेलू उद्योग द्वारा अपने कानूनी प्रतिनिधियों के साथ भाग लिया गया था। उन सभी जिन्होंने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, से अनुरोध किया गया था कि मौखिक सुनवाई में प्रस्तुत विचारों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करें।
- त. घरेलू उद्योग द्वारा जांच की इस अवधि के दौरान किए गए अनुरोधों को जहां भी संगत पाया गया इस प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा समाधान किया गया है।
- थ. वर्तमान समीक्षा जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल, 2018 से 30 जून, 2019 (15 महीने) है। क्षति और संभावना के विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल 2015-मार्च, 2016, अप्रैल 2016-मार्च 2017, अप्रैल 2017-मार्च 2018 की अवधियां और जांच की अवधि शामिल थी।
- द. इस नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इस जांच के आवश्यक तथ्यों को दिनांक 16 जून, 2020 के प्रकटन विवरण के माध्यम से ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट किया गया था और उस पर प्राप्त टिप्पणियों जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया का निवारण इन जांच-परिणामों में किया गया। केवल घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं।
- ध. इस अधिसूचना में “****” गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी द्वारा इस नियमावली के अंतर्गत मांगी गई सूचना का द्योतक है।
- न. जांच की अवधि के लिए विनिमय दर संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा 1 यूएस डॉलर=7.73 रु. लिया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

7. घरेलू उद्योग के दृष्टिकोण नीचे दिए गए अनुसार हैं:

- क. पीयूसी मेजरिंग टेप्स हैद्य। संबद्ध वस्तुओं का मुख्य रूप से उपयोग उच्च स्टीकता वाले पेशेवर कार्यों, किसी वस्तु की घहराई, चौड़ाई अथवा लम्बाई की माप करने और निर्माण कार्य एवं सर्वेक्षण करने के लिए की जाती है। मेजरिंग टेप्स का उपयोग फोरमेन, मेशन, कारपेंटर, वन विभागों और डीलरों आदि के द्वारा किया जाता है। आवश्यक रूप से जैसा कि नाम दर्शाता है, मेजरिंग टेप्स का उपयोग डायमेंशन की “माप” करने के लिए किया जाता है और इसे वहां पाया जा सकता है जहां माप किया जाना अपेक्षित है।

- ख. विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा प्राधिकारी द्वारा दिनांक 1 सितंबर, 2003 के अपने अंतिम जांच परिणाम में परिभाषित किया गया था। संबद्ध वस्तुओं और इसके उपयोग के विवरण में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस कारण से, मूल जांच में पीयूसी के विवरण और क्षेत्र का उल्लेख किया गया है और इस समीक्षा जांच में भी उस पर विश्वास किया गया है।
- ग. चीन जन.गण से निर्यात किए गए पीयूसी और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित पीयूसी में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। वर्तमान मामले में, दोनों उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, अंतिम प्रयोगों, तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता और प्रशुल्क वर्गीकरण के मामले में तुलनीय हैं। इन दोनों का तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है।

ग. 2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और समान वस्तु के क्षेत्र के संबंध में निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

ग. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

8. वर्तमान निर्णायक जांच समीक्षा जांच में पीयूसी “मेजरिंग टेप्स” है। चूंकि यह निर्णायक समीक्षा जांच है अतः पीयूसी का क्षेत्र वही रहता है जो मूल जांच में होता है। मूल जांच में पीयूसी की परिभाषा नीचे दिए गए अनुसार दी गई थी:

(क) विचाराधीन उत्पाद “मेजरिंग टेप्स”, इसके पाटर्स और कंपोनेंट्स हैं, सभी प्रकार के स्टील के मेजरिंग और फाइबर ग्लास टेप्स और उनके पाटर्स या कंपोनेंट्स वर्तमान याचिका के विषय-वस्तु हैं। इसका सामान्य रूप से उपयोग किसी वस्तु की लंबाई, चौड़ाई आदि की माप करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग फोरमेन, मेशन, कारपेंटर, वन विभाग और टेलरों आदि द्वारा किया जाता है। मेजरिंग टेप्स का निर्माण टैम्पर किया हुआ उच्च गुणवत्ता के कार्बन स्टील ब्लेड, फास्फेट और विशेष मीनाकारी से कोट करते हुए किया जाता है जो जंग और रस्ट को रोक सके। मेजरिंग टेप्स का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जाता है:

- क. उच्च स्टीकता वाले पेशेवर कार्य
- ख. किसी वस्तु की गहराई, चौड़ाई अथवा लम्बाई की माप करने
- ग. संकुचन और सर्वे

(ख) तकनीकी शब्दों में मेजरिंग टेप्स को किसी टेप की लम्बाई और चौड़ाई, प्रयुक्त कच्चे माल अर्थात् स्टील अथवा फाइबर ग्लास की माप करने और अंतिम रूप से उस स्टीकता से जिसके साथ डायमंशन को टेप पर चिन्हित किया जाता है, की माप करने के संबंध में परिभाषित किया गया है। इसका वर्गीकरण उप शीर्षक 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90 के अंतर्गत सीमा प्रशुल्क अध्याय 90 के अंतर्गत किया गया है। याचिकाकर्ता ने यह उल्लेख किया है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात उपर्युक्त उप शीर्षकों के अंतर्गत किया जा रहा है। सीमा शुल्क वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और यह किसी भी प्रकार से जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

9. “समान वस्तु” की परिभाषा से संबंधित नियम 2(घ) में यह उल्लेख है कि “समान वस्तु” का अर्थ उस वस्तु से है जो जांच के अधीन वस्तु के सभी पहलुओं में सदृश्य और एकसमान हों अथवा ऐसे किसी वस्तु के न होने पर एक अन्य वस्तु जिसमें जांच के अधीन वस्तु की सभी विशेषताओं के अनुरूप गुण हों।
10. “समान वस्तु” वाक्यांश की उपर्युक्त परिभाषा से, यह स्पष्ट है कि “समान वस्तु” विचाराधीन वस्तु के हर मामलों में एक जैसे अथवा सदृश्य हों। समान वस्तु वाक्यांश के क्षेत्र में वे सभी वस्तु भी शामिल रहेंगे जिनमें सभी मामलों में एक जैसे अथवा सदृश्य वस्तुओं के न होने पर जांच के अधीन वस्तु की सभी विशेषताएं हों।
11. रिकार्ड पर सूचना के आधार पर, प्राधिकारी यह मानते हैं कि भारतीय घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। इन दोनों की भौतिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रिया, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देश, वितरण एवं विपणन और वस्तुओं का प्रशुल्क वर्गीकरण के मामले में तुलना की जा सकती है। ये दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक

दूसरे के स्थान पर भी उपयोग करते हैं। प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश से भारत में निर्यात की जा रही संबद्ध वस्तुओं का समान वस्तु आवेदक द्वारा निर्मित उत्पाद होता है।

12. यह नोट किया जाता है कि संबंधित उत्पाद के लिए एचएस कोड 9017 है। इस कारण से, आयात संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण के उद्देश्य से, आवेदक ने शीर्षक 9017 के लिए डीजीसीआईएंडएस की लेन-देनवार आयात आंकड़े प्राप्त किए हैं। उसके पश्चात, आवेदक ने डीजीसीआईएंडएस में दिए गए प्रत्येक मद के लिए विवरण की जांच कर पीयूसी के लिए आयात संबंधी आंकड़ों को अलग किया है। प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा आयात संबंधी आंकड़ों को अलग करने के कार्य का पुनः सत्यापन किया है।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार

घ.1 घरेलू उद्योग के दृष्टिकोण

13. घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू उद्योग के क्षेत्र एवं आधार के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क) वर्तमान आवेदन मै. एफएमआई लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया है। आवेदक न तो भारत में किसी आयातक से संबंधित है और न ही संबद्ध देश के किसी निर्यातक से संबंधित है और न ही आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। आवेदक के पास भारत में संबद्ध वस्तुओं का कुल घरेलू उत्पादन का बहुत बड़ा हिस्सा है। इस कारण से आवेदक आधार की आवश्यकता को पूरा करते हैं इस नियमावली के आशय से घरेलू उद्योग हैं।
- ख) अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन संबंधी आंकड़े बाजार सूचना पर आधारित हैं। आवेदक के सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार, अन्य उत्पादकों के उत्पादन संबंधी आंकड़े द्योतक हैं और वास्तव में वास्तविक आंकड़ों से किसी प्रकार का विपथन यह दर्शाएगा कि उनका वास्तविक उत्पादन कमतर है क्योंकि आवेदक ने पुराने तरीके से आंकलन किया है।
- ग) भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मैसर्स फ्रीमेंस मेजर्स लिमिटेड, कलास टेप कंपनी, वीनस इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, अम्बिका ओवरसीज, न्यू वेव इंडस्ट्रीज हैं जिनका जांच की अवधि के दौरान बाजार सूचना पर आधारित अनुमानित उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 26 प्रतिशत है।

घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों का दृष्टिकोण

14. इन निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और समान वस्तु के क्षेत्र के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

15. इस नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

16. वर्तमान एसएसआर मै. एफएमआई लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक का न तो भारत में किसी निर्यातक से संबंध है और न ही संबद्ध देश से किसी निर्यातक से संबंध है। इसके अलावा आवेदक ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। आवेदक ने आरंभिक तौर पर यह अनुरोध किया था कि बाजार सूचना के अनुसार, भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मैसर्स फ्रीमेंस मेजर्स लिमिटेड, कलास टेप कंपनी, वीनस इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, अम्बिका ओवरसीज, न्यू वेव इंडस्ट्रीज हैं जिनका जांच की अवधि के दौरान बाजार सूचना के आधार पर अनुमानित उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 26 प्रतिशत है। इस प्रकार से आवेदक का हिस्सा जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के भारतीय उत्पादन में 74 प्रतिशत है।

17. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक का भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का बहुत बड़ा हिस्सा है। इस कारण से आवेदक आधार की आवश्यकता को पूरा करते हैं और इस नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के आशय से घरेलू उद्योग हैं। आवेदक इस नियमावली के आशय से घरेलू उद्योग है।

ड. गोपनीयता और अन्य मुद्दे

ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

18. घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता और अन्य मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किया गया है:

- क. आवेदक जांच की अवधि में उत्पादक है और इस प्रकार से उत्पादन, बिक्री आदि जैसे मात्रा संबंधी मानदंडों के मामले में भी इसकी सूचना प्रकट नहीं की गई है क्योंकि वह पब्लिक डोमेन में नहीं है। इस प्रकार की अत्यधिक व्यापार संवेदनशील सूचना के प्रकटन से प्रतियोगियों और उपभोक्ताओं को बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा और आवेदक के हित पर इसका गंभीर रूप से प्रभाव पड़ेगा। हालांकि आवेदक ने जहां भी संभव हुआ है सूचीबद्ध सूचना उपलब्ध कराई है।
- ख. आवेदक ने जांच को शुरू करने का औचित्य बताने हेतु पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई है। आवेदक ने आवेदन-प्रोफार्मा के अंतर्गत यथा अपेक्षित सभी सूचना उपलब्ध कराई है।
- ग. डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े गोपनीय आंकड़े हैं और इस कारण से उन्हें परिचालित नहीं किया जा सकता है। हितबद्ध पक्षकार डीजीसीआईएंडएस से लेन-देनवार आंकड़े संग्रह करने के लिए स्वतंत्र हैं यदि वे ऐसा चाहते हों। दिनांक 8 दिसंबर, 2016 की व्यापार नोटिस फा.सं.4//2017 का संदर्भ लिया जाता है।
- घ. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि इसने दिनांक 7 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना सं. 10/2018 तथा इस नियमावली के नियम 7 के अनुसार आवेदन के अगोपनीय पाठ के रूप में सूचीबद्ध रूप में ये आंकड़े उपलब्ध कराए हैं।
- ड. सूचीबद्ध आंकड़ा जहां भी संभव हुआ, दिया गया है। क्षति संबंधी विश्लेषण आवश्यक रूप से प्रवृत्ति का विश्लेषण है जिसे इन आवेदनों में दिए गए विभिन्न मानदंडों की प्रवृत्तियों के द्वारा आसानी से देखा जा सकता है।

ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दृष्टिकोण

19. गोपनीयता और अन्य मुद्दों के संबंध किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया था।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

21. सूचना की गोपनीयता के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि गोपनीय आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच इस नियमावली के नियम 7 के अनुसार गोपनीयता संबंधी दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय पाठ सभी संबंधित पक्षकारों को नियम 6(7) के अनुसार सार्वजनिक याचिका के द्वारा और दिनांक 7 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना सं. 10/2018 के द्वारा उपलब्ध कराई गई थी।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटिन मार्जिन का निर्धारण

च.1 सामान्य मूल्य

22. धारा 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

(ख) परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

बशर्ते कि उत्पत्ति के देश को छोड़कर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहां वस्तु को निर्यात करने वाले देश के द्वारा केवल जहाज पर लाद कर भेजा गया है अथवा इस प्रकार की वस्तु का उत्पादन निर्यातक देश में नहीं किया गया हो अथवा निर्यात करने वाले देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पत्ति के देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

च.2. घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

23. आवेदक द्वारा सामान्य मूल्य के संबंध में किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

क. चीन को पिछले मामलों में प्राधिकारी द्वारा लिए गए रुख के अनुसार और अन्य देशों में जांच करने वाले प्राधिकारियों द्वारा एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए। चीन के उत्पादकों की लागत और कीमत पर विश्वास सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नहीं किया जा सकता है।

ख. इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 1 से 6 तब तक चीन जन.गण से आयातों के लिए सामान्य मूल्य की गणना के वास्ते लागू नहीं होते हैं जब तक उत्पादक/निर्यातक पर्याप्त साक्ष्य के साथ यह दर्शाता हो कि वह बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, चीन जन.गण के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाना है। इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यह प्रावधान है कि किसी गैर बाजार अर्थव्यवस्था में सामान्य मूल्य की गणना निम्नलिखित आधार पर निर्धारित किया जाए:

- बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत;
- बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संरचित लागत

- iii. इस प्रकार के तीसरे देश से जिस कीमत पर भारत सहित अन्य देशों से किया गया है
- iv. लाभ के उचित मार्जिन को शामिल करने के लिए समायोजित भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत।
- ग. आवेदक ने संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की संरचित लागत के आधार पर की है।

च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा

24. विश्व व्यापार संगठन में चाइनीज एसेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है: "जीएटीटी के 1994 के अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

- (क) जीएटीटी के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:
 - (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
 - (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।
- (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजयसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
- (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित

करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए लागू नहीं होंगे।"

25. यह नोट किया जाता है कि जबकि, अनुच्छेद 15 (क) (ii) में निहित प्रावधान 11-12- 2016 को समाप्त हो गए हैं, एक्सेसन प्रोटोकॉल के 15(क)(i) के अंतर्गत दायित्व के साथ पठित विश्व व्यापार संगठन के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अंतर्गत प्रावधान में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने के लिए पूरक प्रश्नावली में उपलब्ध कराए जाने के लिए सूचना/आंकड़ों के माध्यम से संतुष्ट किए जाने के लिए भारत के नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड अपेक्षित हैं। यह नोट किया जाता है कि चीन जनगण के प्रतिभागी उत्पादक/निर्यातक में से किसी ने भी पूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य की गणना इस नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है। तदनुसार, संबद्ध देश के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है:

च.4 सामान्य मूल्य का निर्धारण

26. चूंकि चीन जन.गण के उत्पादकों में से किसी ने भी पूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण इस नियमावली के अनुबंध -I के पैरा 7 के अनुसार किया गया है। इस नियमावली के अनुबंध -I के पैरा 7 में जैसा कि स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है अन्य पद्धतियों के संबंध में रिकॉर्ड पर पर्याप्त सूचना न होने के कारण प्राधिकारी ने "किसी अन्य तर्कसंगत आधार" पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
27. इस कारण से प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशानिक खर्च सहित विधिवत् समायोजित भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर चीन जन.गण के लिए सामान्य मूल्य की संरचना की है। चीन के निर्यातकों के लिए इस प्रकार से निर्धारित संरचित सामान्य मूल्य का उल्लेख नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है:

च.5 निर्यात कीमत का निर्धारण

28. संबद्ध देश से निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार जांच की अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करने के बाद किया गया है। समायोजन, भाड़ा, बीमा, एफओबी निर्यात कीमत, पोर्ट संबंधी खर्च, बैंक प्रभार और गैर-प्रतिदाय मूल्यवर्धित कर के लिए किया गया है।
29. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत जिसका निर्धारण ऊपर में दिए गए अनुसार किया गया है, के आधार पर चीन जन.गण से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और वह नीचे तालिका में दिया गया है। यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	टेप का प्रकार	सामान्य मूल्य (रु../किग्रा.)	निर्यात कीमत रु../किग्रा.)	पाटन मार्जिन रु../किग्रा.)	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
1	स्टील टेप	***	***	***	***	120-140
2	फाइबर टेप	***	***	***	***	200-220

छ. क्षति का मूल्यांकन और कारणात्मक संबंध

30. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इन सूचकांकों जिनका उद्योग

की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार किया गया है।

31. इस नियमावली के नियम 23 में प्रावधान है कि नियम 6,7,8,9,10,11,16,18,19 और 20 के प्रावधान आवश्यक परिवर्तनों सहित समीक्षा के मामले में लागू होंगे। यदि घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन यह दर्शाता हो कि इसे क्षति की वर्तमान अवधि के दौरान क्षति नहीं हुई है तब प्राधिकारी इस तथ्य का निर्धारण करेंगे कि क्या वर्तमान शुल्क को समाप्त किए जाने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति संभवतः फिर से होगी।
32. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए आवेदन मै. एफएमआई लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। नियमावली के नियम 2 (ख) के संबंध में, आवेदक को इस जांच के उद्देश्य से घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है। इस कारण से, इस निर्धारण के उद्देश्य से, आवेदक की लागत और क्षति से संबंधित सूचना की जांच की गई है।

छ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

- क. संबद्ध वस्तुओं की मांग में क्षति की अवधि में बहुत अधिक वृद्धि देखी गई है।
- ख. चीन के आयातों में शुल्कों को लगाए जाने के कारण गिरावट आई है। हालांकि साथ ही साथ सिंगापुर और कम्बोडिया से आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। इन देशों से निर्यात उन वस्तुओं का हुआ है जो चाइना के मूल के हैं जिसका केवल प्रसंस्करण किया जा रहा है और उसके बाद भारत को निर्यात किया जा रहा है।
- ग. सिंगापुर और कम्बोडिया से पाटनरोधी शुल्क का समय विस्तार किए जाने की मांग करते हुए प्रावचनारोधी आवेदन दायर किया गया है। चीन के मूल के संबद्ध वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हुई है और वह बहुत अधिक है। आयात कम हो रहे हैं क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लागू है। हालांकि आयात वृद्धि दर्शाते हैं, कीमतों में बहुत अधिक गिरावट दर्शाते हैं और वे भारतीय लागत और कीमत से कम पर हुए हैं।
- घ. कीमत में कटौती और कीमत न्यूनीकरण/ह्रास दोनों संभव है यदि शुल्क लागू नहीं हों। चीन में अतिरिक्त क्षमता के साथ-साथ कीमत में बहुत अधिक अंतर यह दर्शाता है कि इस बात की पूरी संभावना है कि आयातों में पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने के बाद वृद्धि होगी।
- ङ. घरेलू उद्योग और भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में समग्र रूप से क्षति की अवधि के दौरान मौजूदा शुल्कों के कारण संबद्ध आयातों के हिस्से में गिरावट के फलस्वरूप वृद्धि हुई है। हालांकि कम्बोडिया और सिंगापुर के माध्यम से चीन के मूल के वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हुई है। इस प्रकार से चीन का घरेलू बाजार में अभी भी बहुत बड़ा हिस्सा है।
- च. पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत अधिक कम है। कीमत में कटौती बहुत अधिक हुई है। उत्पादन की लागत में 2017-18 तक गिरावट आई है और उसके बाद जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई है, वही प्रवृत्ति बिक्री की कीमत में भी हुई थी। घरेलू उद्योग ने प्रचालनों की प्रतिकूल लाभप्रदता को देखते हुए उत्पादन की लागत में गिरावट की तुलना में बिक्री की कीमत में वृद्धि हुई और इसमें सुधार लाने की आवश्यकता है।
- छ. घरेलू उद्योग की क्षमता में क्षति की अवधि के दौरान मांग में वृद्धि के कारण वृद्धि हुई और तदनुसार उत्पादन, बिक्री और क्षमता के उपयोग में भी वृद्धि हुई।
- ज. घरेलू उद्योग और भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में समग्र रूप से क्षति की अवधि के दौरान मौजूदा शुल्कों के कारण संबद्ध आयातों के हिस्से में गिरावट के फलस्वरूप वृद्धि हुई है। हालांकि कम्बोडिया और सिंगापुर के माध्यम से चीन के मूल के वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हुई है। इस प्रकार से चीन का घरेलू बाजार में अभी भी बहुत बड़ा हिस्सा है।
- झ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है इसने घरेलू उद्योग द्वारा अपनी लाभप्रदता में सुधार लाने के पूर्व बहुत अधिक लम्बी अवधि ली है। यह एक अथवा अन्य स्रोतों से पाटन के कारण हुआ है। अन्य स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने और

वर्तमान पाटनरोधी शुल्क का समय विस्तार किए जाने के फलस्वरूप अब लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय में सुधार हुआ है।

- ण. घरेलू उद्योग के पास मालसूची में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। रोजगार, लाभप्रदता और मजदूरी में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- ट. लागू पाटनरोधी शुल्क को देखते हुए घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में सुधार हुआ है। जिन कीमतों और मात्राओं पर चीन के निर्यातकों द्वारा इस सामग्री का वैश्विक रूप से पाटन किया जा रहा है, चीन के निर्यातकों की प्रकृति को दर्शाता है। इस प्रकार से चीन के निर्यातकों के व्यवहार और शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग की सकारात्मक वृद्धि के पैटर्न पर विचार करते हुए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग के लिए एक बार फिर नकारात्मक वृद्धि होगी।
- ठ. पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि वास्तविक भी है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद, संबद्ध देश से पाटन जारी है।
- ड. कारणात्मक संबंध के मामले में इस संबंध को पूर्व के जांचों में भी स्थापित किया गया था। इसके बावजूद, यह देखा जाएगा कि पाटित आयातों का बाजार में होना जारी है, आयात की कीमतें घरेलू कीमतों की तुलना में कम हैं, इन आयातों के कारण कीमतों में कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही है: यदि यह शुल्क समाप्त हो जाता है तब घरेलू उद्योग कीमतों को कम करने के लिए बाध्य होंगे जिसके फलस्वरूप इसकी लाभप्रदता, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर लाभ पर स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ेगा: यदि वर्तमान कीमतों को बनाए रखा जाता है तब घरेलू उद्योग की बिक्री समाप्त हो जाएगी और उसके बाद मालसूची के स्तर में वृद्धि होगी, उत्पादन, क्षमता का उपयोग और उत्पादकता में गिरावट आएगी, उत्पादन की लागत में वृद्धि होगी और लाभ में गिरावट आएगी।

छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

33. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध से संबंधित मुद्दों के बारे में कोई अनुरोध नहीं किया गया था।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

34. इस नियमावली के अनुबंध II और विश्व व्यापार संगठन के करार के अनुच्छेद 3.1 में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों की मात्रा संबंधी प्रभाव के बारे में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य की जांच करें कि क्या पाटित आयातों में स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य की जांच करें कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव के कारण अन्य प्रकार से कीमतों पर बहुत अधिक सीमा तक दबाव पड़ेगा अथवा कीमतों में वृद्धि रुकेगी जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती।
35. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है नियम 23 में यह प्रावधान है कि नियम 11 के प्रावधान समीक्षा के मामले में भी आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू रहेंगे। इस कारण से प्राधिकारी ने अनुबंध II के साथ पठित नियम 11 के प्रावधानों पर आवश्यक परिवर्तन सहित विचार करते हुए घरेलू उद्योग को क्षति का निर्धारण किया है। अनुबंध II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के

प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती।

36. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, इस नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"(iv) संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

37. वर्तमान क्षति के विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा और कीमत संबंधी प्रभावों तथा कीमतों और लाभप्रदता पर इसके प्रभावों की जांच क्षति के होने और पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों, यदि कोई हो के होने की जांच करने के लिए किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है और इस नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति की जांच की है।
38. यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मानदंड बदतर स्थिति को दर्शाते हों। कुछ मानदंड बदतर स्थिति को दर्शा सकते हैं जबकि कुछ नहीं दर्शा सकते हैं। प्राधिकारी क्षति के सभी मानदंडों पर विचार करते हैं और इसके बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति हुई है अथवा नहीं। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों और आंकड़ों पर विचार करने के बाद क्षति संबंधी मानदंडों की जांच नीचे दिए गए अनुसार की है।

I. मांग का आंकलन

39. इस उद्देश्य से भारत में इस उत्पाद की मांग और स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में लिया गया है। संबद्ध देश से भारत में मांग/खपत में आयातों के हिस्से का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा नीचे दिए गए अनुसार किया गया है:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि	
					वास्तविक	वार्षिकीकृत
चीन जन.गण. से आयात	मी.टन	16	33	79	40	32
अन्य देशों से आयात	मी.टन	1262	656	1290	2204	1763
कुल आयात	मी.टन	1278	689	1369	2245	1796
आवेदक की घरेलू बिक्री	मी.टन	***	***	***	***	***
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्री	मी.टन	***	***	***	***	***
कुल मांग	मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	145	203	162

II. पाटित आयातों की मात्रा संबंधी प्रभाव

- i. संबद्ध देश का आयात संबंधी मात्रा और हिस्सा

40. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे तथ्य पर विचार करें कि पाटित आयातों में या तो स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। अधिकारी ने संबद्ध देश और अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं की आयातों की मात्रा की जांच डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए लेन-देनवार आयात संबंधी आंकड़ों के आधार पर किया है। क्षति की जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की आयात संबंधी मात्रा और पाटित आयातों का हिस्सा नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि (क)	
					वास्तविक	वार्षिकीकृत
चीन से आयात	मी.टन	16	33	79	40	32
अन्य देशों से आयात	मी.टन	1262	656	1290	2204	1763
कम्बोडिया और सिंगापुर	मी.टन	0	406	1267	2118	1695
अन्य आयात	मी.टन	1,262	250	23	86	69
कुल आयात	मी.टन	1278	689	1369	2245	1796
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध देश से आयात						
कुल आयात	%	0-5	0-5	0-5	0-5	0-5
भारत का उत्पादन	%	0-5	0-5	0-5	0-5	0-5
भारतीय मांग	%	0-5	0-5	0-5	0-5	0-5
निम्नलिखित की तुलना में कंबोडिया और सिंगापुर से आयात						
भारतीय उत्पादन	% रेंज	0-1%	10%-20%	20%-30%	30%-40%	30%-40%
खपत	%	0%	10%-20%	20%-30%	20%-30%	20%-30%

41. यह देखा गया है कि चीन से आयात स्वतंत्र रूप में तथा भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में मात्रा में कम रही है। घरेलू उद्योग ने हालांकि यह तर्क दिया है कि :
- क) जब आयात की मात्रा कम हो तब भी कीमत पाटित और क्षतिकारक है। पाटन मार्जिन, कीमत में कटौती और क्षति मार्जिन बहुत अधिक है।
- ख) कम मात्रा लागू पाटनरोधी शुल्क को देखते हुए और कम्बोडिया और सिंगापुर के माध्यम से पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना को देखते हुए कम है। यह भी नोट किया जाता है कि अन्य देशों से आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और इस प्रकार की वृद्धि अधिकांशतः कम्बोडिया और सिंगापुर से है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि यह वस्तु चीन के मूल के हैं और चीन में उत्पादकों ने कम्बोडिया और सिंगापुर के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं को पूर्ण रूप से समाम कर दिया है। घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि कम्बोडिया और सिंगापुर में इस उत्पाद के लिए पूर्ण स्तर पर उत्पादन की कोई सुविधा नहीं है। इस कारण से जबकि विचाराधीन उत्पाद की आयात संबंधी मात्रा कम है, संबद्ध वस्तुओं का वास्तविक आयात कम्बोडिया और सिंगापुर से आयातों के साथ विचार किए जाने पर बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग ने कम्बोडिया और सिंगापुर से आयातों के संबंध में प्रवंचनारोधी कानून के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया है और उस पर पृथक रूप से विचार किया जा रहा है। यह देखा गया है कि इस उत्पाद का आयात स्वतंत्र रूप में और उत्पादन एवं खपत की तुलना में उस स्थिति में अत्यधिक वृद्धि को दर्शाता है जब कम्बोडिया और सिंगापुर से आयातों को भी चीन से आयातों में जोड़ दिया जाता है।

III. पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

42. इस नियमावली के अनुबंध II (ii) के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास, यदि कोई हो, के संबंध में घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करें।

i. कीमत में कटौती

43. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत का पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव के कारण अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक कीमतों पर दबाव पड़ेगा अथवा कीमत में वृद्धि रहेगी जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती। इस संबंध में, संबद्ध देश से उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और करों के साथ औसत बिक्री कीमत के बीच किया गया है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था।

वर्ष	यूनिट	स्टील टेप्स	फाइबर टेप्स	विचाराधीन उत्पाद
चीन से आयात				
आयात की मात्रा	मी.टन	39	1	40
आयात का मूल्य	लाख रु. के	45	1	46
आंकलन योग्य मूल्य	रु./किग्रा.	116	100	115
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	125	108	124
बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***
कीमत में कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***
कीमत में कटौती	%	120%-130%	180%-190%	125%-135%

44. यह देखा गया है कि चीन जन.गण से संबद्ध वस्तुओं का आयात घरेलू उद्योग की कीमतों से बहुत कम कीमत पर हुआ है।

ii. कम कीमत पर बिक्री

45. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री के कारण उठाई जा रही क्षति की भी जांच की है। इस उद्देश्य से, घरेलू उद्योग के लिए स्टील और फाइबर मेजरिंग टेप्स के संबंध में निर्धारित एनआईपी की तुलना डीजीसीआईएंडएस के आयात संबंधी आंकड़ों से लिए गए अनुसार आयातों की पहुंच कीमत से की गई है। घरेलू उद्योग की एनआईपी की आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत से तुलना निम्नलिखित को दर्शाती है:

विवरण		यूओएम	औसत एनआई के आधार पर
आयात	स्टील मेजरिंग टेप	मी.टन	39
पहुंच कीमत		रु./किग्रा	125.88
एनआईपी		रु./किग्रा	***
कम कीमत पर बिक्री मार्जिन		रु./किग्रा	***
कम कीमत पर बिक्री मार्जिन		%	***
प्रवृत्ति		रेंज	100-120

विवरण		यूओएम	औसत एनआई के आधार पर
आयात	फाइबर मेजरिंग टेप	मी.टन	01
पहुंच कीमत		रु./किग्रा	108.25
एनआईपी		रु./किग्रा	***
कम कीमत पर बिक्री मार्जिन		रु./किग्रा	***
कम कीमत पर बिक्री मार्जिन		%	***
प्रवृत्ति		रेंज	160-180

46. यह देखा गया है कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी से वास्तविक रूप से कम है। आयातों के कारण संभवतः मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में कम कीमत पर बिक्री होगी।

iii. कीमत न्यूनीकरण और ह्रास

47. इस तथ्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से कि पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से कीमतों में बहुत अधिक सीमा तक गिरावट आएगी और कीमतों में वृद्धि रुक जाएगी जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों और पहुंच मूल्य में परिवर्तनों पर विचार किया है। यह स्थिति नीचे दी गई तालिका के अनुसार दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	90	91
घरेलू बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	97	101
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	233	308	121	124
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	132	52	53

48. यह नोट किया गया कि जबकि बिक्री की लागत में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई है, घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में कीमतों में न्यूनकारी/ह्रासकारी प्रभाव के कारण नुकसान नहीं उठाना पड़ा।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड पर प्रभाव

49. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। नियमावली में इसके आलावा यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों;

नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मानदंडों की वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन की जांच यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति संबंधी विभिन्न मानदंडों की चर्चा नीचे की गई है।

क) **क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री**

50. घरेलू उद्योग का कार्यनिष्पादन, उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के बारे में नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिकी)
क्षमता	मी.टन	2391	3040	4134	6403	5122
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	173	268	214
उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	184	254	203
क्षमता का उपयोग	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	106	95	95
घरेलू बिक्री	MT	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	184	253	202

51. यह देखा गया कि:

- क. घरेलू उद्योग ने क्षति की अवधि के दौरान क्षमता में वृद्धि की है।
- ख. उत्पादन और घरेलू बिक्री में संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क और मांग में वृद्धि तथा क्षमताओं को बढ़ाए जाने को देखते हुए क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- ग. घरेलू उद्योग की क्षमता के उपयोग में वृद्धि हुई है और उसके बाद गिरावट आई है। क्षमता का उपयोग जांच की अवधि में सबसे कम था। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध क्षमता का बहुत बड़े हिस्से का उपयोग नहीं किया गया है।

ख) **लाभ, नियोजित पूंजी पर लाभ और नकद लाभ**

52. घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत, बिक्री की कीमत, लाभ/हानि, नकद लाभ और निवेश पर लाभ का विश्लेषण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिकी)
घरेलू लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-52	129	159	159
लाभ/(हानि)	लाख रु.	***	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-40	156	252	222
पीबीआईटी	लाख रु.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	Indexed	-100	-47	177	321	277
नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	100	375	605	504
नियोजित पूंजी पर लाभ	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-45	55	127	127

53. यह देखा गया है कि लाभ, निवेश पर लाभ और नकद लाभ में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि दर्शाई है। हालांकि नियोजित पूंजी पर लाभ उचित स्तरों से कम रहे हैं।

ग) मांग में बाजार हिस्सा

54. घरेलू उद्योग की मांग में बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभावों की जांच नीचे दिए गए अनुसार की गई है:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिकी)
घरेलू उद्योग	%	100	128	127	124	124
अन्य उत्पादक	%	100	106	85	75	75
संबद्ध देश	%	100	205	333	121	121
अन्य देश	%	100	53	71	86	86

55. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने के प्रभाव के कारण क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। चीन जन.गण के आयातों के बाजार हिस्से में क्षति की पूरी अवधि के दौरान गिरावट आई है। हालांकि अन्य देशों जो कथित रूप से पाटनरोधी शुल्कों के संबंध में प्रवंचना कर रहे हैं से आयातों (जो अधिकांशतः सिंगापुर और कम्बोडिया से हैं) के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।

घ) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

56. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता संबंध में स्थिति नीचे दी गई है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिकी)
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	98	104	104
वेतन एवं मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	170	261	209
उत्पादकता	मी.टन/	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	184	204	204

57. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजागार में क्षति की समग्र अवधि के दौरान सुधार हुआ है। प्रति कर्मचारी उत्पादकता में भी जांच की अवधि में सुधार दर्शाया है।

ड.) माल सूची

58. संबद्ध वस्तुओं की मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
आरंभिक भंडार	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	143	180	273
अंतिम भंडार	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	191	440
औसत भंडार	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	184	368

59. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास मालसूची के स्तर में क्षति की संपूर्ण अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और यह जांच की अवधि में बहुत अधिक है।

ड.) पाटन और पार्टिन मार्जिन का आकार

60. पाटन का आकार उस सीमा को दर्शाता है जिस सीमा तक भारत में आयातों को पाटित किया जा रहा है और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है अथवा क्षति होने की संभावना है। जांच में यह दर्शाया है कि पाटन मार्जिन वर्तमान जांच की अवधि में सकारात्मक और महत्वपूर्ण है। यद्यपि मात्रा पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने के कारण बहुत कम है फिर भी पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने के बावजूद पाटन जारी है।

च) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

61. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की क्षमता का अधिकांश रूप से उपयोग नहीं किया गया है। इस प्रकार से ऐसी स्थिति में पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता कमजोर हुई है।

छ) वृद्धि

वृद्धि	यूनिट	2016-17	2017-18	जांच की अवधि (क)
उत्पादन	%	26%	46%	11%
बिक्री	%	26%	45%	10%
बिक्री की लागत	%	-5%	-6%	2%
बिक्री कीमत	%	-2%	-1%	4%
नियोजित पूंजी पर लाभ		6%	12%	7%

62. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने बिक्री की मात्रा, उत्पादन, क्षमता का उपयोग, लाभप्रदता और निवेश पर लाभ के संबंध में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। हालांकि क्षमता के उपयोग और मालसूची के मूल्य में वृद्धि नकारात्मक थी।

ज. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

63. संबद्ध देश से आयात की कीमतों, लागत ढांचा में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं को छोड़कर अन्य कारकों की जांच यह दर्शाता है कि संबद्ध देश से आयात की गई सामग्री की पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत, भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री से कम है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर विचाराधीन उत्पाद की कीमतें प्रमुख कच्चे मालों की कीमतों के अनुरूप आगे बढ़ने चाहिए और घरेलू उद्योग इनपुट कीमतों और आयातों की पहुंच कीमत पर विचार करते हुए अपनी कीमतें तय करती रही हैं। इस प्रकार से, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच मूल्य घरेलू कीमतों के निर्धारण के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।

ज. क्षति और क्षति मार्जिन का आकार

64. प्राधिकारी ने यथासंशोधित अनुबंध III के साथ पठित नियमावली में दिए गए सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत का निर्धारण जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को लेकर की गई है। एनआईपी पर विचार क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए संबद्ध देश से पहुंच कीमत की तुलना करते हुए किया गया है। एनआईपी का निर्धारण करने के लिए, घरेलू उद्योग द्वारा क्षति की अवधि के दौरान कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। वही विवेचना इन युटिलिटी के साथ की गई है। क्षति की अवधि के दौरान उत्पादन की क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। जांच की अवधि में उत्पादन की गणना सर्वोत्तम क्षमता उपयोग पर विचार करते हुए की गई है और उसी उत्पादन पर प्रति इकाई निर्धारित लागत पर पहुंचने के लिए किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती खर्च उत्पादन की लागत में नहीं जोड़ा गया था। विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी (अर्थात् औसत निर्धारित निबल परिसंपत्ति तथा औसत कार्यशील पूंजी) पर उचित लाभ (कर पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) की अनुमति अनुबंध-III में यथानिर्धारित एनआईपी पर पहुंचने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में दी गई थी और उसका पालन किया जा रहा है। इस प्रकार से निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमतों से नीचे दिए गए अनुसार की गई है:

क्षति मार्जिन तालिका

क्र.सं.	उत्पाद	एनआईपी- रु./किग्रा.	पहुंच मूल्य रु./प्रति पीस	क्षति मार्जिन रु./किग्रा.	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज - %
1	स्टील मेजरिंग टेप	***	125.88	***	***	100-120
2	फाइबर मेजरिंग टेप	***	108.25	***	***	160-180

झ. क्षति संबंधी निष्कर्ष

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयात पर लगने वाले पाटनरोधी शुल्क के मद्देनजर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में गिरावट आई है। क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। तथापि, विचाराधीन उत्पाद का आयात से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को कटौती हो रही है और ये उत्पाद बाजार में पाटित और क्षतिकारक कीमत पर प्रवेश कर रहे हैं।

ञ. पाटन एव क्षति के जारी रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना

ञ. 1 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन

66. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नानुसार विरोध किया गया है

क. शुल्क अधिरोपण के पश्चात आयात में कमी तथा ऐसे आयातों के लिए सकारात्मक पाटन का तात्पर्य है कि शुल्क वापसी की स्थिति में पाटन की संभावना। इस कारक पर निर्णायक समीक्षा जांच के दौरान अमेरिकी नीति द्वारा

विचार किया जाता है। भारत सहित अन्य प्राधिकरणों द्वारा भी अपने जांच परिणामों में इसका समर्थन किया गया है जैसे कि चीन और थाईलैंड से ग्राइंडिंग मीडिया बॉल्स की भारत द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच, रूसी संघ से सिलिकॉन मेटल के लिए यूएस एसएसआर, कोरिया और मलेशिया से लोहे और स्टील की कुछ ट्यूब और पाइप फिटिंग के लिए यूरोपीय संघ एसएसआर।

- ख. हालांकि आयात की मात्रा कम है, लेकिन यह पाटित और क्षतिकारक कीमतों पर है और इससे घरेलू उद्योग की कीमतों को कटौती हो रही है। इस प्रकार, शुल्क की समाप्ति से पाटन में तेजी आएगी।
- ग. पिछली जांच और वर्तमान आवेदन में निर्धारित पाटन मार्जिन महत्वपूर्ण है।
- घ. संबद्ध देश से आयात की कम मात्रा का प्रासंगिक रूप से मूल्यांकन किया जाना चाहिए और ऐसा केवल विचाराधीन उत्पाद को निर्यात करने के लिए संबद्ध देश के पास उपलब्ध अन्य मार्गों के कारण है।
- ङ. यह कम मात्रा भी पाटित और क्षतिकारक कीमतों पर है और शुल्क की समाप्ति से गहन पाटन और परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
- च. अत्यधिक पाटन मार्जिन स्पष्ट रूप से शुल्कों की अनुपस्थिति में पाटन और परिणामस्वरूप क्षति की संभावना को दर्शाता है।
- छ. सिंगापुर और कंबोडिया में विचाराधीन उत्पाद का कोई ज्ञात उत्पादक नहीं है। इन देशों से आयात चीनी उत्पादकों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के आयात को इस मार्ग से भेजे जाने का परिणाम है।
- ज. वेब शोध में, यह पाया गया है कि सिंगापुर और कंबोडिया की इकाइयाँ केवल व्यापारी हैं।
- झ. ऐसा ही एक आपूर्तिकर्ता यानी मीया (ट्रेडिंग) बेस्टेक प्रिसिजन की सहायक कंपनी है, जो कि एक चीनी कंपनी है जो धातु के प्रिसिजन मुद्रांकन पाटर्स और मेटल स्टैम्पिंग डाइज़ के निर्माण में लगी हुई है, जो ऑटोमोटिव उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दूरसंचार सेवाओं, इलेक्ट्रिक मशीन और सुरक्षा क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपयोग की जाती है।
- ञ. प्राधिकारी ने पिछली जांच में निष्कर्ष निकाला था कि विदेशी उत्पादकों के पास बड़ी मात्रा में प्रयोग के लिए उपलब्ध वर्तमान और संभावित क्षमताएं हैं। ज्ञात संचयी चीनी क्षमता 72,638 मीट्रिक टन है, जिसकी तुलना में भारत में कुल मांग केवल लगभग 6,800 मीट्रिक टन है।
- ट. ये निर्माता अत्यधिक निर्यात उन्मुख हैं। निर्यातकों के पास काफी मात्रा में अधिशेष और अप्रयुक्त क्षमताएं हैं और वे शुल्क समाप्त होने की स्थिति में और भी कम कीमत पर निर्यात बढ़ा सकते हैं।
- ठ. 2016-17 के छोड़कर समस्त अवधि में पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती सकारात्मक रही है, और जांच अवधि में यह विशेष रूप से काफी अधिक है।
- ड. वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने का अर्थ यह होगा कि घरेलू उद्योग को विक्रय मूल्य कम करना होगा या उसकी बिक्री की मात्रा में गिरावट आएगी। आयात के स्तर पर मूल्य में इस तरह की कमी से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आएगी। निवेश पर आय और नकद लाभ में भी काफी गिरावट आएगी। भारतीय उपभोक्ता अपनी खरीद का फैसला जिन कारकों पर करते हैं, उनमें कीमत सबसे महत्वपूर्ण है। बाजार में संबद्ध देश से इस तरह के कम कीमत के आयात की उपलब्धता निश्चित रूप से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।
- ढ. घरेलू उद्योग की भेद्यता का संबंध इस बात से है कि क्या उद्योग शुल्कों के निरसन की स्थिति में वास्तविक क्षति के लिए अतिसंवेदनशील होंगे।

न. 2 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 67 वर्तमान जांच चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पहले लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है। नियमों के तहत, प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारित किया जाना आवश्यक है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को जारी रखा जाना वांछित है। इसके लिए इस बात पर भी विचार किया जाना आवश्यक है कि क्या लगाए गए शुल्क से क्षतिकारक पाटन को समाप्त करने का उद्देश्य पूरा हो रहा है। ऐसी संभावना के विश्लेषण के कोई

विशिष्ट तरीके उपलब्ध नहीं हैं। तथापि, नियमों के अनुलग्नक II के खंड (vii) में अन्य बातों के साथ-साथ विचार किए जाने वाले कारकों का प्रावधान किया गया है:

- क) भारत में पाटित आयातों की अत्यधिक वृद्धि दर जिससे अत्यधिक आयातों की संभावना का संकेत मिलता है;
- ख) निर्यातक के पास पर्याप्त मुक्त रूप से उपयोग के योग्य अथवा आसन्न, क्षमता में अत्यधिक वृद्धि जिससे भारतीय बाजारों में काफी बढ़े हुए पाटित आयातों की संभावना का संकेत मिलता है, जिसमें किसी अतिरिक्त निर्यातों को आत्मसात करने वाले अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखा जाएगा;
- ग) क्या आयात उन कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं, जिनका घरेलू कीमतों पर महत्वपूर्ण निराशाजनक या दमनकारी प्रभाव पड़ेगा, और इससे आयात की मांग में आगे और वृद्धि होगी; तथा
- घ) जांचाधीन वस्तु की वस्तुसूची।

68. यह नोट किया गया है कि निर्णायक समीक्षा जांच मुख्य रूप से संभावना विश्लेषण करने के लिए है। नियमों के अनुसार, प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त करने की स्थिति में संबद्ध देश से घरेलू सामान की पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचने की संभावना का विश्लेषण करने की आवश्यकता है। वर्तमान पाटन मार्जिन, कीमत कटौती और क्षति मार्जिन, शुल्कों को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन की संभावना के अच्छे संकेतक हैं।
69. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति के बाद संबद्ध देश से पाटन और क्षति की निरंतरता और पुनरावृत्ति की संभावना है या नहीं, इसकी जांच करने के लिए विभिन्न कारकों का विश्लेषण किया गया है।

क. पाटित आयातों की वृद्धि की दर

70. यद्यपि आयात की मात्रा में गिरावट आई है, फिर भी संबद्ध देश के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन अत्यधिक है। यह, अपने आप में, साक्ष्य है कि पाटन और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात में महत्वपूर्ण वृद्धि की संभावना है।

ख. निरंतर पाटन

71. यह ध्यान दिया गया है कि भले ही शुल्क लगाने के बाद संबद्ध आयात की मात्रा में गिरावट आई है, लेकिन कीमतें पाटित और क्षतिकारक स्तर पर बनी हुई हैं। इसके अलावा, यह देखा गया है कि पिछली सभी जांचों में और वर्तमान समीक्षा में निर्धारित पाटन मार्जिन सकारात्मक और अत्यधिक हैं। इस प्रकार, पाटनरोधी शुल्क के समापन की स्थिति में पाटन जारी रहने की संभावना है।

ग. निर्यातकों द्वारा परिवर्तन पद्धतियां

72. यह आरोप लगाया गया है कि पाटित आयातों ने एक या दूसरे स्रोत से बाजार में प्रवेश किया है। सार्वजनिक अनुसंधान के रूप में रिकॉर्ड पर रखे गए साक्ष्य, यह दर्शाने के लिए प्रदान किए गए हैं कि कंबोडिया और सिंगापुर में कोई उत्पादक नहीं हैं और चीनी उत्पादक कंबोडिया और सिंगापुर में कुछ उत्पादन गतिविधियों की सूचना देकर स्पष्ट रूप से इन देशों के माध्यम से निर्यात कर रहे हैं। घरेलू उद्योग ने भी परिवर्तनरोधी कानून के तहत एक आवेदन दायर किया है और वर्तमान मामले के रिकॉर्ड में प्रासंगिक साक्ष्य रखे हैं। साक्ष्य की जांच से इस तथ्य का संकेत मिलता है कि कंबोडिया और सिंगापुर से अत्यधिक आयात की सूचना दी गई है जो कि कथित रूप से चीनी मूल के उत्पाद हैं।

घ. विदेशी उत्पादकों के पास मुक्त रूप से उपयोज्य मौजूदा और संभावित क्षमता

73. घरेलू उद्योग ने बताया है कि विदेशी उत्पादकों के पास बड़ी मात्रा में क्षमता है। उन्होंने आगे उल्लेख किया है कि पिछली जांच में प्राधिकारी ने संबद्ध देश में विदेशी उत्पादकों की क्षमता / उत्पादन के संबंध में निम्नलिखित का उल्लेख किया था:

नाम	क्षमता / उत्पादन
निंग्बो होंगडी मेजरिंग टेप उद्योग कंपनी	4,000,000 नग/ माह
निंग्बो असिस्ट टूल्स कं. लि.	4,500,000 नग/ माह
बाओफेंग टूल्स एंड मेजरिंग टूल्स कं. लि.	500,000 नग/ माह
हेनान बोथे मेजरिंग टूल्स कं. लि.	100,000 नग/ माह
युचेंग शिंगहांग मेजरिंग टूल्स कं. लि.	300,000 नग/ माह
फोशान जोंगटियांग मेजरिंग टूल्स कं. लि.	1,000,000 नग/ माह

74. औसत उद्योग मानदंडों को ध्यान में रखते हुए, नगों को मीट्रिक टन में बदल दिया गया है। यह देखा गया है कि भारत में 6,800 मीट्रिक टन की कुल मांग की तुलना में उत्पादकों के पास संचयी ज्ञात क्षमता 72,638 मीट्रिक टन है।

ड. निर्यातकों का निर्यात उन्मुखीकरण

75. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक अत्यधिक निर्यात उन्मुख हैं, जैसा कि पिछली जांच में किए गए निम्नलिखित अवलोकन से स्पष्ट है।

क्र.सं.	ज्ञात विदेशी निर्माता / निर्यातक का नाम	निर्यात अभिविन्यास
1	शानक्सी युआन हैंग मशीनरी उपकरण आयात और निर्यात निगम लिमिटेड	91% - 100%
2	निंग्बो असिस्ट टूल्स कं. लि.	81% -90%
3	बाओफेंग टूल्स एंड मेजरिंग टूल्स कं. लि.	51% - 60%
4	हेनान बोथे मेजरिंग टूल्स कं. लि.	71% -80%
5	युचेंग शिंगहांग मेजरिंग टूल्स कं. लि.	91% -100%
6	फोशान जोंगटियांग मेजरिंग टूल्स कं. लि.	11% -20%

च. भारतीय बाजार का मूल्य आकर्षण

76. आयात मूल्य और घरेलू उद्योग के बिक्री मूल्य के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत निर्यातकों के लिए आकर्षक कीमत वाला बाजार है। यह भी नोट किया गया है कि निर्यातक भारी अप्रयुक्त क्षमता रखते हैं।

छ. घरेलू उद्योग की संवेदनशीलता

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने पूर्व में इस उत्पाद से संबंधित तीन जांचें की हैं और पाया है कि घरेलू उद्योग क्षतिकारक पाटन के प्रति संवेदनशील है।

ज. विदेशी उत्पादकों की वस्तुसूची

78. सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अभाव के मद्देनजर विदेशी उत्पादकों के पास उपलब्ध वस्तुसूचियों का कोई सत्यापन योग्य प्रमाण रिकॉर्ड में नहीं लाया जा सका।

प्रकटीकरण के उपरांत की टिप्पणियां**ट.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

79. आवेदक ने पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत के संबंध में किए गए अनुरोधों को पुनः दोहराया है। इसके अलावा, आवेदक ने निम्नलिखित अनुरोध किए :
- क. घरेलू उद्योग केवल हाल ही में पाटन के खराब प्रभावों से उबर पाया है क्योंकि घरेलू बाजार में पाटित आयातों की बेरोकटोक मौजूदगी थी, जिसमें अब सिंगापुर और कंबोडिया से चालाकी से पाटन बढ़ रहा है।
- ख. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि शुल्कों की वर्तमान मात्रा वर्तमान मामले में बढ़ाई जानी चाहिए। विश्व व्यापार संगठन करार और नियम 23 (1ख) के साथ पठित धारा 9क (5) को ध्यानपूर्वक पढ़ने से यह स्पष्ट हो जाता है कि प्राधिकारी को केवल अवधि में विस्तार करना अपेक्षित है और शुल्कों को एक निर्णायक समीक्षा में संशोधित नहीं किया जाना चाहिए। यहां तक कि ऐसी स्थिति में भी, जब पाटन मार्जिन और/ अथवा क्षति मार्जिन को निर्णायक समीक्षा की स्थिति में नकारात्मक पाया गया हो, पाटन और क्षति की संभावना के आधार पर उसी मात्रा में पाटनरोधी शुल्क का विस्तार किया गया है।
- ग. आवेदक द्वारा सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध सेचना के रूप में प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अनुसार, यह नोट किया जाता है कि निंगबो होंगडी मेजरिंग टेप इंडस्ट्री कंपनी और निंगबो एसिस्ट टूल्स कंपनी लिमिटेड में प्रत्येक के पास 3.5 बिलियन मीटर/ प्रति वर्ष की क्षमता है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि ऐसा एक उत्पादक अर्थात् हेनन जिंगहुआ मेजर टूल्स कंपनी लिमिटेड के पास 30 मिलियन मेजर टेप की वार्षिक उत्पादन क्षमता है, जो 6807 मीट्रिक टन की कुल भारतीय मांग की तुलना में इतना अधिक आश्चर्यजनक आंकड़ा है।
- घ. संबद्ध देश में उत्पादकों के निर्यात उन्मुखी होने के संबंध में सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध अद्यतन सूचना इस प्रकार है :

क्र. सं.	ज्ञात विदेशी उत्पादक/ निर्यातक का नाम	निर्यातोन्मुखी
1.	शांक्सी युवान हांग मशीनरी इक्विपमेंट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड	31 % से 40 %
2.	निंगबो एसिस्ट टूल्स कंपनी लिमिटेड	41 % से 50 %
3.	बावोफेंग टूल्स एंड मेजरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	61 % से 70 %
4.	यूचेंग जिंगहोंग मेजरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	91 % से 100 %
5.	फोशन जांगतियान मेजरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	41 % से 50 %
6.	हेनन जियांगहुआ मेजर टूल्स कंपनी लिमिटेड	>90 %

- ड. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि शुल्क को अमेरिकी डॉलर में लगाया जाना चाहिए।
- च. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क केवल नियत मात्रा में ही लगाया जाना चाहिए। यह उल्लेख किया कि वर्तमान में उत्पाद पर पहले से ही नियत मात्रा में पाटनरोधी शुल्क लगा है और यह कि पाटनरोधी कानून, जो पाटनरोधी शुल्क के संबंध में विश्व व्यापार संगठन के करार के अनुरूप और सहमति से बनाया गया है, के तहत प्राधिकारियों को अनुरोध किए गए तरीके और रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए स्पष्ट रूप से अनुमति है। इसके अलावा आवेदक ने ऐसे मामलों का उल्लेख किया है, जिनमें कि गलत तरीके से पाटनरोधी उपाय किए जाने के आधार पर सेस्टेट द्वारा प्राधिकारी के आदेश को संशोधित किया गया है।

ट.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

80. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण विवरण की टिप्पणियों के रूप में कोई अनुरोध नहीं किए गए।

ट.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

81. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रकटीकरण के उपरांत की टिप्पणियां/ अनुरोध अधिकांशतः पुनरावृत्ति ही होती है और उनकी पहले ही समुचित जांच की जा चुकी है और इन अंतिम जांच परिणामों के संगत पैरा में पर्याप्त रूप से शामिल कर लिया गया है।

ठ. पाटन और क्षति की संभावना पर निष्कर्ष

82. रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि जबकि संबद्ध देश से आयातों में गिरावट आई है, लेकिन चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रहा और संबद्ध वस्तुओं का आयात गैर क्षतिकारी कीमत से कम कीमतों पर किया जा रहा है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना यह भी दर्शाती है कि चीन में अधिक्य क्षमताएं हैं और निर्यातक अधिक निर्यातोन्मुख हैं। ऐसी अधिक्य क्षमताओं के परिणामस्वरूप वर्तमान शुल्कों के समाप्त होने की स्थिति में पाटित कीमतों पर निर्यात में वृद्धि होने की संभावना है। इस प्रकार ये सभी मापदंड यह दर्शाते हैं कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने की स्थिति में संबद्ध देश में निर्यातकों द्वारा भारत में पाटित कीमतों पर पाटित उत्पाद के निर्यात में तेजी लाने की संभावना है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

ड. भारतीय उद्योग के हित

83. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्यतः तौर पर पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन ही पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थितिकी पुनर्स्थापना हो सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटन रोधी उपायों को लागू करने से किसी भी तरह से संबद्ध देश/ क्षेत्र से आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा और इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
84. यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करके निर्मित किए गए उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है और उसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी उपायों के कारण कमी नहीं आएगी, विशेषकर यदि अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने को उस मात्रा तक सीमित किया जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त हो। इसके प्रतिकूल पाटनरोधी उपायों के कारण प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होगा, घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक चयन की उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ड. निष्कर्ष

85. प्राधिकारी के समक्ष दिए गए तर्कों, प्रदान की गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपरोक्त जांच परिणामों में दर्ज उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद और घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का उपरोक्त विश्लेषण करने के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :
- क. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन साथ-साथ जारी है और शुल्क समाप्त होने की अवस्था में पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में आयातों का प्रवेश होने की संभावना है।
- ख. घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार आया है लेकिन पाटन और उसके परिणामस्वरूप क्षति के लिए अनुकूल रहा है।
- ग. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना यह दर्शाती है कि यदि इस अवस्था में पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति प्रदान की जाती है तो पाटन और क्षति के जारी रहने/ उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- घ. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं जो यह दर्शाते हैं कि इस अवस्था में पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने से पाटन जारी रहेंगे और घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होगी।

ण. सिफारिशें

86. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया गया था तथा घरेलू उत्पादक, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। तथापि, प्राधिकारी इंडोनेशिया से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे दिए गए रूप में और तरीके से अनंतिम प्रतिसंतुलनकारी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।
87. यह निष्कर्ष निकालते हुए कि यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने की अनुमति प्रदान की जाती है तो पाटन और क्षति के जारी रहने/ उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, इसलिए प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात पर शुल्क जारी रहना आवश्यक है।
88. इस नियमावली के नियम 4(घ) तथा नियम 17 (1) (b) में निहित प्रावधान के संबंध में, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन में से कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केंद्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पांच (5) वर्षों के लिए लगाये जाने के लिए की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क राशि	मुद्रा	इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	9017 80 10 या 9017 90 00*	मेजरिंग टेप	स्टील टेप और उसके पार्ट और संघटक	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	कोई भी	1.83	कि. ग्रा.	यूएस डॉलर
2	9017 80 10 या 9017 90 00*	मेजरिंग टेप	स्टील टेप और उसके पार्ट और संघटक	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई भी	1.83	कि. ग्रा.	यूएस डॉलर
3	9017 80 10 या 9017 90 00*	मेजरिंग टेप	फाइबर ग्लास टेप और उसके पार्ट और संघटक	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	कोई भी	2.56	कि. ग्रा.	यूएस डॉलर
4	9017 80 10 या 9017 90 00*	मेजरिंग टेप	फाइबर ग्लास टेप और उसके पार्ट और संघटक	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई भी	2.56	कि. ग्रा.	यूएस डॉलर

* सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार किया जाएगा। उपरोक्त विचाराधीन उत्पाद को यदि किसी अन्य एच एस कोड के तहत आयात किया जाता है तो भी यह उपरोक्त पाटनरोधी शुल्क के अध्याधीन होगा।

त. आगे की प्रक्रिया

89. इन अंतिम जांच परिणामों के कारण केन्द्र सरकार के आदेश के खिलाफ कोई भी अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपील न्यायाधिकरण के समक्ष पेश की जाएगी।

भूपिन्दर एस. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th June, 2020

FINAL FINDINGS**Case No. ADD-SSR 12/2019****Subject: Sunset Review of anti-dumping investigation concerning imports of ‘Measuring Tapes’, originating in or exported from China PR.****F. No. 7/24/2019-DGTR.—A. BACKGROUND OF THE CASE**

1. Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the ‘Act’) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as ‘the Rules’) thereof, the Designated Authority (hereinafter also referred as the ‘Authority’) initiated anti-dumping investigation on imports of “Measuring Tapes” (hereinafter also referred as the ‘subject goods’ or ‘product under consideration’ or ‘PUC’), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred as the ‘subject country’) vide notification No. 14/31/2002- DGAD dated 23rd October 2002. The Authority thereafter notified the Final Findings No 14/31/2002-DGAD dated 1st September 2003, recommending imposition of anti-dumping duty against imports of the subject goods from China PR. Definitive anti-dumping duty was imposed by Ministry of Finance vide Customs Notification No. 147/2003- Customs (ADD) dated 7th October 2003 for 5 years. Thereafter, first sunset review (SSR) investigation was conducted and Final Findings Notification was issued by the Authority vide Notification no. 15/2/2008-DGAD dated 27th March, 2009 and the duty was imposed vide Notification No. 49/2009-Customs (ADD) dated 15.05.2009. Second sunset review investigation was also conducted and continuation of duties was recommended by the Authority vide Notification No. 15/9/2014-DGAD dated 5th May 2015 and the anti-dumping duty was imposed vide Notification No. 31/2015-Customs (ADD) dated 9th July, 2015 . The anti-dumping duty imposed pursuant to the Final Findings in the second sunset review is still in force till 8th July, 2020.
2. Rule 23(1B) of the Rules provides as follows:

“...any definitive anti-dumping duty levied under the Act, shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the Designated Authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.”
3. M/s. FMI Limited (hereinafter referred to as ‘Applicant’ or ‘Domestic Industry’ or ‘DI’) filed a duly substantiated application on behalf of the domestic industry before the Authority, in accordance with the Act and the Rules claiming likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR and consequent injury to the domestic industry and has requested for review and continuation of the present anti-dumping duties, applicable on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, for another five years.
4. Based on the application filed by the Applicant, the Authority initiated sunset review investigation vide public notice notified through Notification No. 7/24/2019-DGTR dated 18th December 2019, published in the Gazette of India, Extraordinary, to examine whether the expiry of present duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

B. PROCEDURE

5. The scope of the present review covers all aspects of the Final Findings Notification No. 15/9/2014-DGAD dated 5th May 2015 which had recommended imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods, originating in or exported from the subject country.
6. The procedure, as described herein below, has been followed:
 - a. The Authority *vide* Notification No. 7/24/2019-DGTR dated 18th December 2019 published a public notice in the Gazette of India, Extraordinary, initiating sunset review anti-dumping investigation against imports of the subject goods from the subject country.
 - b. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and users association of the subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter.
 - c. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application filed by the Applicant to the known exporters and the Embassy of the subject country in India, in accordance with Rule 6(3) of the Rules.
 - d. The Authority in order to elicit relevant information sent questionnaires to the following known exporters of subject goods in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - i Ningbo Land Tools & Measuring Tools Co. Ltd, No.68 Chengjiao Road, YuyaoCity, Zhejiang, China.
 - ii Ningbo Hongdi Measuring Tape Industry Company,CW-4 Fareast industrial City, YuyaoCity, Zhejiang, China
 - iii Ningbo Land Tools & Measuring Tools Co. Ltd. No. 68, Chengjiao Road, Yuyao City, Yuyao-315400,Zhejiang, China
 - iv Shaanxi Yuan Hang Machinery Equipment Import & Export Corp., Ltd,334#,You Yi East Road-710054, Shaanxi, Xi'an, China
 - v CixiZunbao Steel Tape Company Ltd,,Wangdi Road, Cixi City. Ningbo, China
 - vi YiwuWudian Great Wall Hardware Factory Co Ltd, WudianTwon, Yiwn, Jinhua,Zhejiang, China
 - vii Baofeng Tools & Measuring Tools Co Ltd, No.458, Yangming Road, E Yuyao City, Zhejiang province China.
 - viii Henan Bonthe Measuring Tools Co., Ltd,No.1 South Road, Zhixin Industrial Gathering Zone,Yucheng County, Henan Province Shangqiu City, China
 - ix YuchengXinghong Measuring Tools Co Lt, Yucheng Road South, Yucheng Henan, Shangqiu, China
 - x FoshanZongtian Measuring Tools Co Ltd,Dali Town, Nanhai District-528000, Guangdong China
 - e. No exporter has participated and filed questionnaire response in the present investigation.
 - f. Questionnaire were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information, in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - i. M/s Lohia Trade Concern, 2880, GaliJajamPura, HauzQazi, Delhi-110006.
 - ii. M/s Vinay Brothers, Gali No.3, As alpha Village, SaiEstate, JMT Road, Ghatkoper West, Mumbai-400086.
 - iii. M/s VK International,8/16 Banda House, Shop No.4, NarayanaDhuru X Lane ,Mumbai-400003
 - iv. M/s Fahad Enterprises, Devidas Mansion,2ndFloor,Mere Weather Road, Colaba, Mumbai-400039

- v. M/s Ghanshyam Dass & Sons (Veekay Industries), Gala No.4, Munani Trade Center, Near-Real Esatae, Sativali Road, Vasai East, Mumbai-401208.
- vi. M/s New Wave Industries, B IX/643, Hosiarpur Road, Jalandhar-144004 Punjab
- vii. M/s Ashiana Exports Inc, G-2 Chawla House Woodhouse Road, Colaba Mumbai, Maharastra.
- viii. M/s SK Enterprises, first Floor, Room No.26, Building No.88, Beachkorbbhai House, 4th Kumbharwade, Mumbai-400004
- ix. M/s Sterling Enterprises, 130/A-1, Shah & Nahar Industrial Estate, S.J. Roar, Lower Parel, Mumbai-400013
- g. No importer/user has filed questionnaire response in the present investigation
- h. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by domestic industry in the form of a public file kept open for inspection by all interested parties. No other interested party has though participated in the investigation.
- i. The Authority accepted the confidentiality claims, wherever warranted after due examination and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties.
- j. Further information was sought from the Applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of present investigation.
- k. Investigation was conducted on for the period April 2018– June 2019 (15 months) (hereinafter referred to as the ‘period of investigation’ or ‘POI’) with injury analysis covering the period April 2015 – March 2016, April 2016 – March 2017, April 2017 – March 2018 and the POI.
- l. The Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) was requested to provide details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, and the said information was obtained from the DGCI&S and has been adopted for the purpose of the present investigation.
- m. The Authority has examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III of the Rules to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would remove injury to the domestic industry.
- n. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in the oral hearing held on 26th May 2020 which was attended by domestic Industry along with their legal representatives. Those who attended oral hearing were requested to file written submissions of the views presented in the oral hearing.
- o. The submissions made by the Domestic Industry during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in these final findings.
- p. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review investigation is 1st April, 2018 to 30th June, 2019 (15 months). The examination of trends in the context of injury and likelihood analysis covered the periods April 2015- March 2016, April 2016-March 2017, April 2017-March 2018 and the POI.
- q. In accordance with Rule 16 of the Rules, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide Disclosure Statement dated 16th June, 2020 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in these final findings. Only the Domestic Industry have submitted their comments to the disclosure statement.
- r. ‘***’ in this Notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- s. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority for the subject investigation as 1 US\$ = Rs.70.73.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Views of the Domestic industry

7. The views of the domestic industry are as follows:

- a. The PUC is Measuring Tapes. The subject goods is mainly used in high precision professional jobs, for measuring depth, width or length of an object, and for construction work and surveys. Measuring Tapes are used by foremen, masons, carpenters, forestry departments and tailors etc. Essentially, as the name suggests, measuring tapes are used to “measure” dimensions and can be found wherever measurement is required to be taken.
- b. The product under consideration was defined by the Authority in its original final finding dated 1st September 2003. The description of the subject goods or its use has not undergone any change. Therefore, description and scope of PUC in the original investigation has been referred to and relied upon in this review investigation as well.
- c. There is no known difference in the PUC exported from China PR and that produced by the Indian industry. In the present case, both products are comparable in terms of technical characteristics, end uses, technical and commercial substitutability and tariff classification. The two are technically and commercially substitutable.

C.2. Views of other interested parties

No submission has been made by the exporters/other interested parties with regard to scope of the product under consideration (PUC) and like article.

C.3. Examination by the Authority

8. The PUC in the present sunset review investigation is “Measuring Tapes”. This being a sunset review investigation, the scope of the PUC remains the same as that in the original investigation. The PUC in the original investigation was defined as under :

(a) The product under consideration is "Measuring Tapes", its parts and components etc., all type of steel measuring and fibre glass tapes and their parts or components are the subject matter of the present petition. It is generally used for measuring the length, breadth etc. of an object. It is used by foreman, mason, carpenter, forestry departments and tailors etc. Measuring Tapes are manufactured from tempered high quality carbon steel blade, phosphate and coated with special enamel to withstand corrosion and rust. Measuring tapes are used for: -

- a. high precision professional jobs;*
- b. measuring depth, width, or length of an object;*
- c. contraction and surveys.*

b. In technical terms, the measuring tapes are defined in terms of length and width of a tape, raw material used i.e. steel or fibre glass and, finally precision with which dimensions are marked on the tape. It is classified under Chapter 90 of the Customs Tariff Act under sub-headings 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90. The petitioner has stated that subject goods are being imported under above-mentioned sub-headings. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

9. Rule 2(d) relating to the definition of "like article" specifies that "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation, or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under investigation.
10. From the above definition of the term "like article", it is clear that the like article has to be identical or alike in all respects to the article under investigation. The scope of the term like article shall also include those articles having closely resembling characteristics to those under investigation in the absence of articles identical or alike in all respects.

11. On the basis of information on record, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian domestic industry and those imported from the subject country. The two are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classifications of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers also use the two interchangeably. The Authority holds that the product manufactured by the Applicant constitutes like article to the subject goods being imported into India from the subject country.
12. It is noted that HS code for the product concerned is 9017. Therefore, for the purpose of analysis of import data, the Applicant has obtained transaction-wise DGCI&S import data for the Heading 9017. Thereafter, the Applicant has sorted the import data for PUC by examining the description for each line item given in the DGCI&S. The Authority has cross verified the sorting of import data done by the Applicant.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Views of the Domestic industry

13. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:
 - a) The present application has been filed by M/s. FMI Limited. The Applicant is neither related to an importer in India nor exporter from the subject country, nor has the Applicant imported the product under consideration. The Applicant holds a major proportion of total domestic production of subject goods in India. The Applicant, therefore, satisfies the requirement of standing and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.
 - b) The production figures of other Indian producers are based on market intelligence. To the best of the knowledge of the Applicant, the production figures of the other producers are representative and any deviation with actual figures will, in fact, reveal that their actual production is lower as the Applicant has made a conservative estimate.
 - c) There are other known producers of the subject goods in India i.e. M/s. Freemans Measures Limited, Klas Tape Co., Venus Industrial Corp., Ambika Overseas, New Wave Industries, whose estimated production based on market intelligence during the POI is 26% of total Indian production.

D.2. Views of other interested parties

14. No submission has been made by the exporters/other interested parties with regard to scope of the product under consideration (PUC) and like article

D.3. Examination of the Authority

15. Rule 2 (b) of the Rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.
16. The present SSR application has been filed by M/s. FMI Limited. The Applicant is neither related to an importer in India nor any exporter from the subject country. Further, the Applicant has not imported the subject goods during the POI. Applicant had initially submitted that as per market intelligence there are other known producers of the subject goods in India i.e. M/s. Freemans Measures Limited, Klas Tape Co., Venus Industrial Corp., Ambika Overseas, New Wave Industries whose estimated production based on market intelligence during the POI is 26% of total Indian production. Thus, Applicant's share is 74% in Indian production of the subject goods during the POI.
17. In view of the above, the Authority hold that the Applicant constitutes a major proportion of total domestic production of subject goods in India. The Applicant, therefore, satisfies the requirement of standing and constitutes domestic industry within the meaning within the meaning of Rule 2 (b) and of Rule 5 (3) of the Rules. The Applicant constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

E. CONFIDENTIALITY AND OTHER ISSUES

E.1 Submissions made by domestic industry

18. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to confidentiality and other issues:
 - a. Applicant is the producer in the POI and, thus, its information, even in terms of volume parameters such as production, sales, etc. has not been disclosed as the same is not in public domain. Disclosure of such highly business sensitive information, would be of significant competitive advantage to competitors and consumers and would seriously impact the interest of Applicant. The Applicant has, however, provided indexed information wherever possible.
 - b. Applicant has provided sufficient information justifying initiation of the investigation. Applicant has provided all information as required under the application proforma.
 - c. DGCIS data is confidential data and therefore cannot be circulated. The interested party is free to collect transaction-wise data from DGCIS, if they so desire. Reference is made to the Trade Notice F. No. 4/2/2017 dated 8th December 2017.
 - d. The Applicant submitted that it has provided the data in indexed form in the non-confidential version of the application in accordance with Rule 7 of the Rules and Trade Notice No. 10/2018 dated September 7, 2018.
 - e. Indexed information has been provided, wherever possible. The injury analysis is essentially an analysis of trend which can be easily seen through trends of various parameters provided in the application.

E.2 Views of other interested parties

19. No submission was made by any other interested party with regard to confidentiality and other issues:

E.3 Examination by the Authority

20. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provides as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

21. With regard to the confidentiality of information, the Authority notes that the information provided by the domestic industry on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim in accordance with Rule 7 of the Rules. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential. Non-confidential version of the information provided by Domestic Industry were made available to all interested parties through the public file as per Rule 6(7) and Trade Notice No. 10/2018 dated September 7, 2018.

F. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN**F.1 Normal Value**

22. Under Section 9A(1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along

With reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

F.2 Views of the Domestic industry

23. The following are the submissions made by the Applicant in respect of normal value:

- a. China should be considered a non-market economy, in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- b. Paragraph 1 to 6 of Annexure I of the Rules do not apply for computation of normal value for imports from China PR, unless a producer/exporter shows with sufficient evidence that he is operating under market economy conditions. As a result, normal value for China PR has to be determined in terms of paragraph 7 of Annexure I of the Rules. Para 7 of Annexure I of the Rules provides that the calculation of the normal value in a non-market economy may be determined on the following basis:
 - i. the price in a market economy third country;
 - ii. constructed cost in a market economy third country;
 - iii. the price from such a third country to other countries, including India;
 - iv. the price actually paid or payable in India, adjusted to include a reasonable amount of profit.
- c. The Applicant has determined normal value of subject goods based on constructed cost of production of the subject goods.

F.3. Examination by the Authority**Market Economy status for Chinese producers**

24. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: "Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

"(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs

for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event; the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

25. It is noted that while, the provision contained in Article 15 (a) (ii) have expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the India's Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire for claiming the market economy status. It is noted that since none of the responding producer and the exporter from China PR have submitted supplementary questionnaire response, the normal value computation is required to be done as per provisions of para 7 of Annexure I of the Rules. Accordingly, the normal value and export price for the all the producers/ exporters from the subject country have been determined as below.

F.5 Determination of Normal Value

26. As none of the producers from China PR have filed the Supplementary Questionnaire response, the normal value has been determined in accordance with Para 7 of Annexure I of the Rules. In the absence of sufficient information on record, regarding the other methods as are enshrined in Para 7 of Annexure I of the Rules, the Authority has determined the normal value on "any other reasonable basis".
27. The Authority has, therefore, constructed the normal value for China PR on the basis of cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses. The constructed normal value so determined for Chinese exporters is mentioned in the dumping margin table below.

F.5 Determination of Export Price

28. Export price from subject country has been determined considering volume and value of imports for the period of investigation as per DGCI&S published data. Adjustments have been made for freight, insurance, FOB export price, port expenses, Bank Charges and non-refundable VAT.
29. Based on normal value and export price determined as above, the dumping margin for producers/exporters from China PR has been determined and the same is provided in the table below. It is seen that the dumping margin is significant.

Dumping Margin Table

SN	Type of Tape	Normal Value (Rs./Kg)	Export price (Rs./Kg)	Dumping Margin (Rs./Kg)	Dumping Margin %	DM Range %
1	Steel Tape	***	***	***	***	120-140
2	Fiber Tape	***	***	***	***	200-220

G. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

30. Rule 11 of the Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
31. Rule 23 of the Rules provides that the provisions of Rule 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 18, 19 and 20 shall apply mutatis mutandis in case of a review. In case the performance of the domestic industry shows that it has not suffered injury during the current injury period, the Authority shall determine whether cessation of the present duty is likely to lead to recurrence of injury to the domestic industry.
32. The Authority notes that the application for imposition of antidumping duty has been filed by M/s. FMI Limited. In terms of Rule 2(b) of the Rules, the Applicant has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of this determination the cost and injury information of the Applicant has been examined.

G.1 Submissions made by the Domestic Industry

- The demand of the subject goods has witnessed significant increase in the injury period.
- Chinese imports have declined due to imposition of duties. However, at the same time increased significantly from Singapore and Cambodia. The exports from these countries are goods originating in China which is being merely processed and then exported to India.
- An anti-circumvention application seeking extension of ADD from Singapore and Cambodia has been filed. Imports of Chinese origin subject goods have increased and is quite significant. Imports are low because ADD is in place. However, imports show increase, significant decline in prices and are below Indian cost and price.
- Both Price undercutting and Price suppression/depression are likely if duties cease to exist. Significant price difference along with surplus capacity in China show that in all likelihood the imports will increase after cessation of ADD.
- Market share of DI as well as Indian industry as a whole increased over injury period, as a result of decline in share of the subject imports due to existing duties. However, imports of Chinese origin goods through Cambodia and Singapore has increased. Thus, China still holds a significant share of domestic market.

- f. Landed price is significantly below selling price of DI. Price undercutting is significant. Cost of production declined up to 2017-18 and then increased in the POI, the same trend was followed by selling price. The domestic industry reduced selling price lower than the decline in the cost of production in view of adverse profitability of the operations and the need to improve the same.
- g. Domestic Industry's capacity increased over the injury period due to increase in demand, and accordingly, production, sales and capacity utilization also increased.
- h. Market share of DI as well as Indian industry as a whole increased over injury period, as a result of decline in share of the subject imports due to existing duties. However, imports of Chinese origin goods through Cambodia and Singapore has increased. Thus, China still holds a significant share of domestic market.
- i. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry has increased over the injury period. It has taken a considerably long period before the domestic industry could improve its profitability. This has been due to dumping from one or other sources. The imposition of ADD on other sources and extension of present ADD has now resulted in improvement in profits, cash profits and ROI.
- j. Inventories with the Domestic Industry have increased over the injury period. Employment, productivity and wages have increased over the injury period.
- k. The performance of the domestic industry improved in view of anti-dumping duty in place. The volume and prices at which the Chinese exporters are dumping the material globally, exhibits the nature of the Chinese exporters. Thus, considering the pattern of behaviour of Chinese exporters and the positive growth of the domestic industry post-imposition of duty, it can be concluded that the cessation of anti-dumping duty would only lead to negative growth for the domestic industry once again.
- l. Dumping margin is not only more than de-minimis but also substantial. Despite imposition of ADD, dumping continues from subject country.
- m. In terms of causal link, the relationship was established in previous investigations as well. Nonetheless, it would be seen that dumped imports continue to enter the market; import prices are lower than domestic prices; imports are undercutting and underselling the prices; if the duty ceases DI would be forced to reduce prices which would naturally impact its profitability, profits, cash flow and return on investment; if current prices are maintained then DI would lose sales and that would then result in increase in inventories level; decline in production, capacity utilization, and productivity, increase in cost of production and decline in profits.

G.2 Submissions made by other interested parties

33. No submissions were made by interested parties with regard to injury and casual link related issues.

G.3 Examination by the Authority

34. Article 3.1 of the WTO agreement and Annexure II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
35. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Rule 11 of the Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "*.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on*

prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

36. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of the Rules states as under:

"(iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

37. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority has taken note of the submissions made by domestic industry and has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Rules.
38. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration, while some may not. The Authority considers all injury parameters and, thereafter, concludes whether the domestic industry has suffered injury or not. The Authority has examined the injury parameters as under taking into account the facts and arguments submitted by the domestic industry.

I. ASSESSMENT OF DEMAND

39. For this purpose, demand or apparent consumption of the product in India is taken as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. Share of imports from the subject country in demand/consumption in India determined by the Authority is as under:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI	
					Actual	annualised
Imports from China PR	MT	16	33	79	40	32
Imports from Other Countries	MT	1262	656	1290	2204	1763
Total Imports	MT	1278	689	1369	2245	1796
Domestic Sales of Applicant	MT	***	***	***	***	***
Domestic Sales of Other Producers	MT	***	***	***	***	***
Total Demand	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	145	203	162

II. VOLUME EFFECT OF DUMPED IMPORTS

i. Import Volumes and Share of Subject Country

40. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S. The import volumes of the subject goods and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI(A)	
					Actual	Annualised
Imports from China	MT	16	33	79	40	32
Imports from Other Countries	MT	1262	656	1290	2204	1763
Cambodia and Singapore	MT	0	406	1267	2118	1695
Other imports	MT	1,262	250	23	86	69
Total Imports	MT	1278	689	1369	2245	1796
Subject country imports in relation to						
Total imports	%	0-5	0-5	0-5	0-5	0-5
India production	%	0-5	0-5	0-5	0-5	0-5
Indian demand	%	0-5	0-5	0-5	0-5	0-5
Imports from Cambodia & Singapore in relation to						
Indian production	% range	0-1%	10%-20%	20%-30%	30%-40%	30%-40%
Consumption	%	0%	10%-20%	20%-30%	20%-30%	20%-30%

41. It is seen that the import from China have remained low in volume in absolute terms as well as in relation to production and consumption in India. The domestic industry has however contended that
- Even when the volume is low, the price is dumped and injurious. Dumping margin, price undercutting and injury margin is very significant,
 - The low volume is in view of ADD in force and circumvention of antidumping duty through Cambodia and Singapore. It is also noted that imports from other countries have increased significantly and such increase is largely from Cambodia and Singapore. The domestic industry has claimed that these goods are of Chinese origin and the producers in China have routed the subject goods through Cambodia and Singapore. The domestic industry has also contended that there is no full-fledged production facility for this product in Cambodia and Singapore. Therefore, while the import volume of product under consideration is low, actual import of subject goods is much higher when considered along with imports from Cambodia and Singapore. The domestic industry has filed an application under anti circumvention law in respect of imports from Cambodia and Singapore and the same is being considered separately. It is seen that the imports of the product shows significant increase, both in absolute terms and in relation to production and consumption, if imports from Cambodia and Singapore are also added to imports from China.

III. PRICE EFFECT OF THE DUMPED IMPORTS

42. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, the Authority is required to consider the effect of the dumped imports on domestic prices in terms of price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

i. Price Undercutting

43. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports of the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product from the subject country and the average selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at ex-factory level.

Year	Unit	Steel tapes	Fibre Tapes	PUC
Chinese imports				
Import volume	MT	39	1	40
Import value	Rs in Lakhs	45	1	46
Assessable value	Rs. /Kg	116	100	115
Landed value	Rs. /Kg	125	108	124
Selling price	Rs. /Kg	***	***	***
Price undercutting	Rs. /Kg	***	***	***
Price undercutting	%	120%-130%	180%-190%	125%-135%

44. It is seen that imports of the subject goods from China PR are at a price significantly below the prices of domestic industry.

ii. Price Underselling

45. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry w.r.t. steel and fibre Measuring Tapes has been compared with the their landed price of imports as obtained from the DGCI&S import data. Comparison of the NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

Particulars		UOM	Based on Average NIP
Imports	Steel Measuring Tape	MT	39
Landed Price		Rs/Kg	125.88
NIP		Rs/Kg	***
Price Underselling Margin		Rs/Kg	***
Price Underselling Margin		%	***
Trend		Range	100-120

Particulars		UOM	Based on Average NIP
Imports	Fiber Measuring Tape	MT	01
Landed Price		Rs/Kg	108.25
NIP		Rs/Kg	***
Price Underselling Margin		Rs/Kg	***
Price Underselling Margin		%	***
Trend		Range	160-180

46. It is seen that the landed price of imports is materially below NIP for the domestic industry. Imports are likely to result in price underselling in the event of cessation of existing anti-dumping duties.

iii. Price Suppression and Depression

47. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices or whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree and prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices and landed value over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Cost of Sales	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	90	91
Domestic Selling Price	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	98	97	101
Landed Value	Rs/kg	233	308	121	124
Trend	Index	100	132	52	53

48. It is noted that while the cost of sales has declined over the injury period, the selling price has increased. Thus, the domestic industry did not suffer suppressing/ depressing effect in prices in domestic market.

Impact on Economic Parameters of the Domestic Industry

49. Annexure II to the Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth and the ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry indicates that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

50. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization is as follows:

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	POI	POI(A)
Capacity	MT	2391	3040	4134	6403	5122
Trend	Indexed	100	127	173	268	214
Production	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	184	254	203
Capacity utilization	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	106	95	95
Domestic Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	184	253	202

51. It is seen that

- Domestic industry has enhanced capacity over the injury period.
- Production and domestic sales have increased over the injury period in view of increase in demand, addition of capacities and antidumping duty in force on imports from subject countries and other countries.
- Capacity utilization of the domestic industry increased and then declined. The capacity utilisation was lowest in the POI. It is noted that significant portion of the capacity available with domestic industry is un-utilized.

b) Profits, Return On Capital Employed and Cash Profit

52. The cost of sales, selling price, profit/ loss, cash profits and return on investment of the domestic industry has been analysed as follows:

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	POI	POI(A)
Profit/loss Domestic	Rs /Kg	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-52	129	159	159
Profit/(Loss)	Rs Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-40	156	252	222
PBIT	Rs Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-47	177	321	277
Cash Profit	Rs Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	100	375	605	504
ROCE	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-45	55	127	127

53. It is seen that profits, return on investment and cash profits have shown an increase over the injury period. However, return on capital employed has remained below reasonable levels.

c) Market Share in Demand

54. The effects of the dumped imports on the market share in demand of the domestic industry have been examined as below:

Particular	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI	POI(A)
Domestic Industry	%	100	128	127	124	124
Other Producers	%	100	106	85	75	75
Subject Country	%	100	205	333	121	121
Other Countries	%	100	53	71	86	86

55. The Authority notes that the market share of the domestic industry and of the other Indian Producers has increased over the injury period as an effect of anti-dumping duty in place. Market share of imports from China PR have declined throughout the injury period. However, market share of imports from other countries (which are largely from Singapore and Cambodia) which are allegedly circumventing anti- dumping duties, have increased.

d) Employment, Wages and Productivity

56. The position with regard to employment, wages and productivity is as follows:

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	POI	POI(A)
Employee	Nos	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	98	104	104
Salary and Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	170	261	209
Productivity	MT/Day	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	184	204	204

57. The Authority notes that the employment of the domestic industry improved during the entire injury period. Productivity per employee has also shown improvement in the POI.

e) Inventory

58. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

Particular	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	143	180	273
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	191	440
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	184	368

59. The Authority notes that level of inventories with the domestic industry has increased throughout the injury period and is significantly high in the POI.

f) Magnitude of Dumping and Dumping Margin

60. Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the imports are being dumped in India and are consequently causing or likely to cause injury to the domestic industry. The investigation has shown that dumping margin is positive and significant in the present investigation period. The dumping continues despite anti-dumping duty in force, even though the volume is low due to antidumping duty in place.

g) Ability to raise capital investment

61. It is seen that the domestic industry's capacity is largely un-utilized. Thus, the ability to raise capital investment in such a situation has weakened.

h) Growth

Growth	Unit	2016-17	2017-18	POI (A)
Production	%	26%	46%	11%
Sales	%	26%	45%	10%
Cost of sales	%	-5%	-6%	2%
Selling price	%	-2%	-1%	4%
ROCE		6%	12%	7%

62. It is seen that the domestic industry has registered positive growth with regard to sales volume, production, capacity utilization, profitability and ROI. However, growth was negative in respect of capacity utilisation and inventories.

i) Factors affecting domestic prices

63. The examination of the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, price underselling in the Indian market. The Authority notes that the prices of the product under consideration in general should move in tandem with the prices of key raw materials and the domestic industry has been fixing its prices considering these input prices and landed price of imports. Thus, the landed value of subject goods from the subject country is an important factor for determination of domestic prices.

H. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

64. The Authority has determined Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. The production in POI has been calculated considering the best capacity utilisation and the same production has been considered for arriving per unit fixed cost. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive the NIP as prescribed in Annexure-III and being followed. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject country to determine the injury margin as follows:

Injury Margin Table

SN	Products	NIP- Rs./ Kg	Landed Value Rs/ Piece	Injury Margin Rs./ Kg	Injury Margin %	Injury Margin Range- %
1	Steel Measuring Tape	***	125.88	***	***	100-120
2	Fiber Measuring Tape	***	108.25	***	***	160-180

I. CONCLUSION ON INJURY

65. The Authority notes that the dumped imports of the subject goods from the subject country have declined in view of anti-dumping duty in force on subject imports. The performance of the domestic industry has improved over the injury period. However, imports of the product under consideration are undercutting the prices of the domestic industry in the market and are entering the market at dumped and injurious price.

J. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY**J.1 Submissions made by the domestic industry**

66. The domestic industry has contended as follows

- a. Decline in imports post imposition of duty and positive dumping margin in such imports implies likelihood of dumping in the event of withdrawal of duty. This factor is considered by US policy during sunset review investigations. This is also supported by other Authorities including India in its findings such as India SSR of Grinding Media Balls from China and Thailand , US SSR of Silicon Metal from Russian Federation, EU SSR of Certain Tube and pipe fittings of iron and steel from Korea and Malaysia,
- b. Though the volume of imports is low, but it is at dumped and injurious prices and is undercutting the DI prices. Thus, cessation would lead to intensified dumping.
- c. Dumping Margin determined in previous investigations and present application are significant.
- d. Low volume of import from subject country must be assessed contextually and it is only because of other avenues available with the subject country to export the PUC.
- e. Even this low volume is also at dumped and injurious price and cessation of duty is likely to lead to intensified dumping and consequent injury to the DI.
- f. Significant dumping margin clearly shows likelihood of dumping and consequent injury in absence of duties.
- g. Singapore and Cambodia have no known producers of the PUC. Imports from these countries are result of routing of imports of PUC by Chinese producers.
- h. Upon web research, it has been found that entities from Singapore and Cambodia are merely traders.
- i. One such supplier i.e. Meia (Trading) is a subsidiary of Bestech Precision, a Chinese company that is engaged in manufacturing precision metal stamping parts and metal stamping dies which are widely used in automotive industry, electronic appliances, telecommunications services, electric machine and security areas.
- j. Authority concluded in the last investigation that foreign producers have huge disposable present and potential capacities. The cumulative known Chinese capacity is 72,638 MT as against the total demand in India of around 6,800 MT only.
- k. These producers are intensely export oriented. Exporters are holding significant surplus and unutilized capacities and they are likely to increase export significantly even at further reduced price in the event of cessation of duty.
- l. Price undercutting without ADD is positive throughout except for 2016-17, and is especially significantly high in the POI.
- m. Cessation of current ADD means that DI will have to reduce the selling price or it will lose sales volumes. Such reduction in price at the level of import would result in significant decline of the profitability of the DI. The return on investment and cash profit would also decline significantly. Indian consumers decide their procurement, with the price being the foremost consideration. Availability of such low-priced imports from subject country in the market is definitely causing an adverse impact on the domestic industry.
- n. Vulnerability of the domestic industry relates to whether the industry would be susceptible to material injury in the event of revocation of duties.

J.2 Examination by the Authority

67. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties imposed earlier on the imports of subject goods from China PR. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of antidumping duty is warranted. This also requires a consideration of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. There are no specific methodologies available to conduct such a likelihood analysis. However, Clause (vii) of Annexure II of the Rules provides, inter alia, factors which are required to be taken into consideration viz.:
 - a) A significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;

- b) Sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
- c) Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
- d) Inventories of the article being investigated.
68. It is noted that the sunset review investigation is primarily to carry out the likelihood analysis. As per the rules, the Authority is required to analyse likelihood of continuation of dumping of subject goods from subject country and injury to the domestic industry in the event of cessation of anti-dumping duties. Current dumping margin, price undercutting and injury margin are good indicator of likelihood of dumping and injury in the event duties ceases to exist.
69. Various factors have been analysed to examine whether there is a likelihood of continuation and recurrence of dumping and injury from the subject country after cessation of existing anti-dumping duty.
- a. Rate of increase of dumped imports
70. Even though the volume of imports have declined, the dumping margin and injury margin determined from subject country continue to be significant. This, by itself, evidences that there is likelihood of dumping and significant increase in the imports of subject goods from subject country.
- b. Continued Dumping
71. It is noted that even though the volume of subject imports has declined post imposition of duty, but the prices continue to be at dumped and injurious levels. Further, it is seen that dumping margin determined in all previous investigations and in the present review are all positive and significant. Thus, dumping is likely to continue in the event of cessation of ADD.
- c. Circumvention practices of exporters
72. It has been contended that dumped imports have entered the market from one source or the other. Evidence placed on record, in terms of public research, has been provided to show that there are no producers in Cambodia and Singapore and that Chinese producers apparently are exporting through these countries, by reporting some production activities in Cambodia and Singapore. The domestic industry has also filed an application under anti circumvention law and has placed relevant evidence on record of the present case. Examination of the evidence is indicative of the fact that significant imports have been reported from Cambodia and Singapore, which are allegedly Chinese origin product.
- d. Freely Disposable present and potential capacities with the foreign producers
73. The domestic industry has pointed out that the foreign producers are holding huge capacities. They have further mentioned that the Authority in the last concluded investigation had noted the following with regard to capacity/ production of foreign producers in the subject country:

Name	Capacity/production
Ningbo Hongdi Measuring Tape Industry Company	4,000,000 pieces/month
Ningbo Assist Tools Co Ltd.	4,500,000 pieces/month
Baofeng Tools & Measuring Tools Co Ltd	500,000 pieces/month
Henan Bonthe Measuring Tools Co Ltd	100,000 pieces/month
Yucheng Xinghong Measuring Tools Co Ltd.	300,000 pieces/month
Foshan Zongtian Measuring Tools Co Ltd	1,000,000 pieces/month

74. Considering the average industry norms, pieces have been converted into metric tons. It is seen that the cumulative known capacity with the producers is around 72,638 MT as against the total demand in India of around 6,800 MT only.
- e. Export Orientation of exporters

75. The domestic industry has submitted that producers of subject goods in the subject country have high export orientation, as evident from the following observation made y in the last investigation.

SN	Name of known foreign producer/exporter	Export Orientation
1	Shaanxi Yuan Hang Machinery Equipment Import & Export Corporation Ltd.	91% - 100%
2	Ningbo Assist Tools Co Ltd	81%-90%
3	Baofeng Tools & Measuring Tools Co Ltd	51% - 60%
4	Henan Bonthe Measuring Tools Co Ltd	71%-80%
5	Yucheng Xinghong Measuring Tools Co Ltd	91%-100%
6	Foshan Zongtian Measuring Tools Co Ltd	11%-20%

f. Price Attractiveness of Indian Market

76. Analysis of import price and selling price of the domestic industry shows that India is price attractive market for the exporters. It is also noted that the exporters are holding huge unutilized capacity.

g. Vulnerability of the domestic industry

77. The Authority notes that it has conducted three investigations relating to this product in the past and has found that the domestic industry is vulnerable to injurious dumping.

h. Inventories with the foreign producers

78. No verifiable evidence of inventories with the foreign producers could be brought on record in view of absence of publicly available information.

POST DISCLOSURE COMMENTS

K.1 Submissions made by the domestic industry

79. The Applicant reiterated its submissions regarding the need to continue ADD. Further, the Applicant made the following submissions:

- The domestic industry has only recently been able to recover from past ill effects of dumping because of consistent presence of dumped imports in the domestic market, with dumping now increasing from Singapore and Cambodia through circumvention.
- The Applicant has submitted that the present quantum of duties should be extended in the present case. A harmonious reading of Article 11.3 of WTO Agreement and Section 9A (5) read with Rule 23(1B) makes it evident that the Authority is required only to extend the period and that the duties should not be modified in a sunset review. Even in situations where dumping margin and/or injury margin have been found negative at the stage of sunset review, the same quantum of ADD has been extended on the grounds of likelihood of dumping and injury.
- As per evidences submitted by the Applicant in the form of information available on public domain, it is noted that Ningbo Hongdi Measuring Tape Industry Company and Ningbo Assist Tools Co Ltd., have capacity of 3.5 billion metres/year each. Further, it is noted that one such producer i.e. Henan Jianghua Measure Tools Co., Ltd. has an annual production capability of 30 million measure tapes, a figure so astoundingly high in comparison to the total Indian demand of 6807 MT.
- Latest information available on public domain with respect to export orientation of producers in the subject country are as follows:

SN	Name of known foreign producer/exporter	Export Orientation
1	Shaanxi Yuan Hang Machinery Equipment Import & Export Corporation Ltd.	31%-40%
2	Ningbo Assist Tools Co Ltd	41%-50%
3	Baofeng Tools & Measuring Tools Co Ltd	61%-70%
5	Yucheng Xinghong Measuring Tools Co Ltd	91%-100%
6	Foshan Zongtian Measuring Tools Co Ltd	41%-50%
7	Henan Jianghua Measure Tools Co., Ltd.	>90%

- e. The Applicant has submitted that the duty should be imposed in terms of US\$.
- f. The Applicant has submitted that ADD may be imposed only as a fixed quantum, citing that the product is already attracting fixed quantum of ADD at present and that the Anti-dumping legislation which has been created in consonance and in conformity with the WTO Agreement on Anti Dumping, explicitly permits authorities to impose ADD in the form and manner requested. Further, the Applicant has cited cases in which the order of the Authority has been modified by CESTAT on the grounds of incorrect form of measures.

K.2 Submissions made by other interested parties

80. No submissions are made by interested parties in the form of comments to disclosure statement.

K.3 Examination by the Authority

81. The Authority notes that the post-disclosure comments / submissions are mostly reiterations and already examined suitably and adequately addressed in the relevant paras of these final findings.

L. CONCLUSION ON LIKELIHOOD OF DUMPING AND INJURY

82. The evidences on record show that even though imports have declined from the subject country, dumping of the subject goods from China PR continues and imports of subject goods are being made at prices below the non-injurious price. The information on record also shows that there are excess capacities in China and exporters are highly export oriented. Such excess capacities are likely to result in increase of exports at dumped prices in the event of expiry of present duties. Thus, all these parameters indicate that in the event of cessation of ADD, the exporters in the subject country are likely to intensify export of dumped product in India at dumped prices, leading to recurrence of injury to the Domestic Industry.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

83. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
84. It is recognized that the imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

N. CONCLUSION

85. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry, the Authority concludes that:
- a. There is continued dumping of the subject goods from subject country along and the imports are likely to enter the Indian market at dumped prices in the event of expiry of duty.
 - b. The domestic industry's performance has improved but remains vulnerable to dumping and consequent injury.
 - c. The information on record shows likelihood of continuation/ recurrence of dumping and injury in case the Anti-dumping duty in force is allowed to cease at this stage.
 - d. There is sufficient evidence to indicate that the cessation of ADD at this stage will lead to continuation of dumping and recurrence of injury to the Domestic Industry.

O. RECOMMENDATIONS

86. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link.
87. Having concluded that there is likelihood of continuation/ recurrence of dumping and injury if the existing anti-dumping duties are allowed to cease, the Authority is of the view that continuation of duty is required on the import of PUC from the subject country.
88. In terms of provision contained in Rule 4(d) & Rule 17(1) (b) of the Rules, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Column 8 of the duty table below is recommended to be imposed for five (5) years from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject country.

Duty Table

S. No.	Heading/Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	9017 80 10 or 9017 90 00*	Measuring Tapes	Steel Tapes and parts and components thereof	China PR	Any Country including China PR	Any	1.83	kg	US\$
2	9017 80 10 or 9017 90 00*	Measuring Tapes	Steel Tapes and parts and components thereof	Any country other than China PR	China PR	Any	1.83	kg	US\$
3	9017 80 10 or 9017 90 00*	Measuring Tapes	Fibre glass Tapes and parts and components thereof	China PR	Any Country including China PR	Any	2.56	kg	US\$
4	9017 80 10 or 9017 90 00*	Measuring Tapes	Fibre glass Tapes and parts and components thereof	Any country other than China PR	China PR	Any	2.56	kg	US\$

*Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC. The PUC mentioned above should be subject to above ADD even when it is imported under any other HS code

I. FURTHER PROCEDURE

89. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the with the relevant provisions of the Act.

BHUPINDER S. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority